शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

àß-Paà¿er : www.goodluckà¿ublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 349 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 19 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पत्रकारिता को दोहरे मानदंडों और अनैतिक आचरण से निपटना चाहिए : उपराष्ट्रपति — पेज 2
कैबिनेट के बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय — पेज 3
हरियाणा में अकेले लड़ेंगे विधानसभा चुनाव — पेज 5
पिछले कुछ समय से रहे बीमार, अब तैयारियों के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना ... — पेज 7

एक और बड़ा रेल हादसा

चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतरी, दो की मौत, 31 घायल

रेलवे ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर • लोको पायलट का दावा, हादसे से पहले सुनी थी धमाके की आवाज

लखनऊ। गोंडा रेलवे स्टेशन से गोरखपुर वाया डिब्रूगढ़ जा रही चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस (15904) की 14 बोगियां पटरी से उतरकर पलट गईं। इनमें दो एसी कोच रेल पटरी के बगल खंती में भरे पानी में पलट गए। इससे पहले तेज रफ्तार ट्रेन के दो कोच बेपटरी हो गए। हादसा गोंडा-गोरखपुर रेल मार्ग पर मोतीगंज से झिलाही बाजार के बीच पिकौरा गांव के पास हुआ है। इसमें दो यात्रियों की मौके पर मौत हो गई, दो अन्य मरणासन्न हालत में लखनऊ रेफर कर दिए गए। कुल 31 रेलयात्री घायल हैं। हादसे की प्रारंभिक वजह बारिश से पटरी के दोनों तरफ जलभराव होने से ट्रैक का बैठना बताया जा रहा है। बोगियों के बेपटरी होने से लगभग 500 मीटर ट्रैक उखड़ गया, जबकि इलेक्ट्रिक लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद डीएम नेहा शर्मा और एसपी विनीत जायसवाल के साथ अन्य अफसरों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य तेज कराया। डीएम ने बताया कि दो शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

गया है, जबकि घायलों का बेहतर उपचार कराया जा रहा है। आसपास के ग्रामीणों ने पलटे एसी कोच के शीशे तोड़कर अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। एसडीआरएफ, पुलिस व आरपीएफ के जवानों ने मोर्चा संभाल लिया। पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक सौम्या माथुर ने घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने दो रेल यात्रियों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि इनकी शिनाख्त की जा रही है। हादसे में 31 रेल यात्री घायल हुए हैं, जिनमें दो गंभीर हैं। 26 घायलों को मनकापुर सीएचसी व तीन अन्य घायलों को सीएचसी काजीदेवर में भर्ती कराया गया है। नौ घायलों को गोंडा मेडिकल कॉलेज लाया गया हैं। पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन चंडीगढ़ से बुधवार की रात 11.59 बजे डिब्रूगढ़ के लिए चली थी। गुरुवार को ट्रेन गोंडा रेलवे स्टेशन पर दोपहर 2.25 बजे पहुंची थी और 2.28 बजे रवाना हुई। गोंडा मुख्यालय से करीब 18 किलोमीटर दूर मोतीगंज-झिलाही बाजार के बीच में पिकौरा गांव के पास ट्रेन करीब 2.41 बजे पहुंची थी। जहां ट्रेन बेपटरी होकर पलट गई। 24 बोगियों वाली ट्रेन के इंजन के बाद एसी की छह बोगियां लगीं थीं, जिसमें दो बोगी पटरी से उतरकर नीचे गिरीं, इसके बाद एसी की चार अन्य बोगियां भी पटरी से लटक गईं। गाड़ी की रफ्तार सौ किमी प्रतिघंटे से अधिक होने के चलते अचानक ब्रेक लगाना प्रमुख कारण रहा। बताया जा रहा है कि इसके बाद ट्रेन के करीब आठ अन्य बोगियां भी पटरी से उतरकर गईं। देर शाम तक एसी की दो बोगियां पटरी के नीचे पानी में पड़ी हैं। यात्रियों ने इसमें कुछ लोगों के फंसे होने की जानकारी दी गई। इस पर एनडीआरएफ की टीम ने बोगियों को खंगाला। देर शाम तक बोगियों की पड़ताल हुई, किसी के फंसे होने की पुष्टि हो प्रशासन ने नहीं की। हादसे में गोंडा-गोरखपुर रेलवे लाइन की करीब 200 मीटर तक की लाइन भी उखड़ गई है, वहीं इलेक्ट्रानिक तार भी टूट गए हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के साथ ही यात्रियों को मनकापुर रेलवे स्टेशन भेजा गया। जहां से पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त यात्रियों की मदद की कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। रेल यात्रियों की मदद एवं अन्य जानकारी के लिए रेलवे द्वारा हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। वहीं हादसे के चलते इस रूट पर आने व जाने वाली सभी ट्रेनों को डायवर्ट कर दिया गया है। लखनऊ से वाया अयोध्या गोरखपुर के लिए ट्रेनें रवाना की जाएंगी। गोंडा के लिए 8957400965, -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र ने किया मुआवजे का एलान

नई दिल्ली। गोंडा रेल हादसे के बाद केंद्र सरकार ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपए देने का एलान किया है। इसके साथ ही घायलों के इलाज के लिए 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे। वहीं, गोंडा रेल हादसे की जांच के आदेश दिए गए हैं। बता दें कि चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही ट्रेन हादसे का शिकार हो गई। उत्तर प्रदेश के गोंडा से करीब 20 किमी आगे ट्रेन के 8 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे में अब तक 5 लोग की मौत हो चुकी है, जबकि 20 से अधिक लोगों के -शेष पृष्ठ दो पर

हादसे का भयावह मंजर देख एसओ हुई बेहोश

गोंडा। गोंडा-गोरखपुर रेलखंड के मोतीगंज-झिलाही रेलवे स्टेशन के मध्य पिकौरा कोयरीपुर गांव के पास चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन हादसे में बचाव और राहत कार्य में जुटीं थानाध्यक्ष मोतीगंज अचानक बेहोश हो गईं। वहीं हादसे के बाद ट्रेन के लोको पायलट की हालत भी बिगड़ गई। मौके पर मौजूद डाक्टरों की टीम ने दोनों का इलाज किया। डाक्टरों ने बताया कि हार्टबीट बढ़ने से -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

राज्य में मुस्लिम आबादी को लेकर सीएम के दावे पर विपक्षी दलों ने उठाए सवाल

गुवाहाटी। असम में विपक्ष ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर आरोप लगाया कि वह राज्य में मुस्लिम आबादी 40 प्रतिशत तक बढ़ने जैसे दावे करके लोगों का ध्यान *जटिल समस्याओं* से हटा रहे हैं। शर्मा ने बुधवार को रांची में दावा किया था कि असम में मुस्लिम आबादी बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है और पूर्वोत्तर राज्य में जनसांख्यिकी परिवर्तन एक *बड़ा मुद्दा* है। झारखंड में भाजपा के चुनाव सह-प्रभारी शर्मा ने पार्टी की एक बैठक से इतर कहा कि मैं असम से

आता हूं और जनसांख्यिकी परिवर्तन मेरे लिए एक बड़ा मुद्दा है। मेरे राज्य में मुस्लिम आबादी अब 40 प्रतिशत है, जो 1951 में 12 प्रतिशत थी। यह मेरे लिए कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बल्कि जीवन-मरण का मामला है। टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए असम कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए इस तरह के बयान दे रहे हैं। विपक्ष ने इस आंकड़े का स्रोत भी जानना चाहा तथा कहा कि असम में कोई जनगणना -शेष पृष्ठ दो पर

मुस्लिम विवाह कानून होगा रद्द : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम सरकार राज्य में मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम को निरस्त करेगी। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। इन दोनों कानूनों को निरस्त करने के लिए गुरुवार को कैबिनेट में असम रिपीलिंग बिल यानी असम निरसन अध्यादेश को मंजूरी दे दी है सीएम शर्मा ने एलान किया है कि अब इस निरसन विधेयक को विधानसभा में रखा जाएगा। विवाह और तलाक के पंजीकरण में

समानता लाने के लिए राज्य मंत्रिमंडल ने गुरुवार को असम निरसन विधेयक को मंजूरी दे दी है। सीएम हिमंता ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि इस बिल का उद्देश्य असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 और असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण नियम, 1935 को निरस्त करना है। असम कैबिनेट की ओर से मंजूर असम रिपीलिंग अधिनियम को अब विचार के लिए असम विधानसभा के अगले मानसत्र सत्र में रखा जाएगा। कैबिनेट ने यह भी फैसला किया है कि असम में मुस्लिम विवाहों के पंजीकरण के लिए एक उपयुक्त कानून लाया जाए, जिस पर विधानसभा के अगले सत्र तक विचार किया जाएगा। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखी पोस्ट में कहा है कि- हमने बाल विवाह के अतिरिक्त सुरक्षा उपाय कर अपनी बेटियों और बहनों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सीएम ने आगे लिखा है कि कैबिनेट की बैठक में हमने असम रिपीलिंग बिल 2024 के माध्यम से असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दुर्जनों के साथ भलाई करना सज्जनों के साथ बुराई करने के समान है।

– सादी

न्यूज गैलरी

आंगनबाड़ी केंद्र में खाने में मिली छिपकली, 20 मासूम बीमार

नालंदा। नालंदा जिले के एक आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के खाने में छिपकली मिलने की मामला सामने आया है जिसे खाने के बाद 20 बच्चे बीमार पड़ गए। दरअसल ये मामला नालंदा जिले के रहुई थाना क्षेत्र के शेखपुरा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का है। परिजनों ने -शेष पृष्ठ दो पर

आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से एसटीएफ के दो जवान शहीद, चार घायल

बीजापुर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में थाना तर्रेम क्षेत्र अंतर्गत मंडीमरका के जंगल में नक्सलियों द्वारा लगाये गए आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से एसटीएफ के दो कॉन्स्टेबल भरत साहू और सत्येर सिंह कांगे बलिदान हो गए हैं। वहीं, चार जवान पुरुषोत्तम नाग, कोमल यादव, सियाराम सोरी और संजय कुमार घायल हैं, जिनका मेडिकल कॉलेज जगदलपुर में उपचार जारी है। प्राप्त -शेष पृष्ठ दो पर

वाहन की विंडशील्ड पर फास्टैग नहीं लगा होने पर देना होगा दोगुना टोल

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने वाहन की विंडशील्ड पर फास्टैग नहीं लगा होने पर दोगुना टोल वसूलने के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को

जानबूझकर वाहन की विंडस्क्रीन पर फास्टैग न लगाने से रोकने के लिए, एनएचएआई ने ऐसे उपयोगकर्ताओं से दोगुना उपयोगकर्ता शुल्क वसूलने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विंडस्क्रीन पर जानबूझकर फास्टैग न लगाने से टोल प्लाजा पर अनावश्यक देरी होती है, -शेष पृष्ठ दो पर

जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ अरुणाचल पर हमले की चीन और पाकिस्तान बना रहा योजना

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियां बढ़ती ही जा रही हैं। विश्लेषण के अनुसार पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंक फैलाने के लिए चीन की मदद ले रहा है। इतना ही नहीं चीन और पाकिस्तान मिलकर भारत पर हमला करने की भी प्लानिंग कर रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार साल 2024 की शुरूआत से ही चीन ने दक्षिण सागर में अपनी गतिविधियों को काफी तेज कर लिया है। इसी तरह जम्मू-कश्मीर में भी इस साल आतंकी गतिविधियां काफी ज्यादा सरगर्म हो गए हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि चीन अपने दोस्त पाकिस्तान की भारत पर हमला करने में मदद कर रहा है। चीन और पाकिस्तान एक साथ मिलकर रणनीति तैयार कर रहे हैं जिसके चलते वह भारत पर हमला कर जम्मू-कश्मीर को पी.ओ.के. में शामिल करना चाहते हैं। बता दें कि चीन के एक सरकारी अखबार में एक समाचार छपा था। इसके अनुसार 2035 तक चीन 3 बड़े युद्ध करने जा रहा है। इस 3 युद्धों में से एक वह भारत के साथ करेगा। इस युद्ध में चीन पाकिस्तान के साथ मिलकर 2035 में हमला करेगा। इस युद्ध की रणनीति यह होगी कि चीन अरुणाचल प्रदेश पर हमला करेगा और पाकिस्तान के आतंकी जम्मू-कश्मीर में युद्ध लड़ेंगे। चीन के पाकिस्तान की मदद करने के पीछे कई कारण हैं। इनमें से प्रमुख हैं कि चीन शुरू से ही अरुणाचल प्रदेश को अपनी सीमा में शामिल करना चाहता है और दूसरा वह चीन-पाकिस्तान इकॉनोमिक कॉरिडोर का प्रोजैक्ट -शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिम बंगाल में मुहर्रम पर लहराया गया फिलिस्तीन का झंडा

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में मुहर्रम के जुलूस में फिलिस्तीन का झंडा लहराया गया। इसका वीडियो वरिष्ठ भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने एक्स पर अपलोड

किया है। उन्होंने पूरी घटना की जांच की मांग करते हुए राज्य के पुलिस महानिदेशक और जिला पुलिस अधिक्षक से हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। इस घटना के बाद राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। उन्होंने लिखा है कि बेरहामपुर, मुर्शिदाबाद जिला में धार्मिक जुलूस के -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ छात्रों का देशव्यापी बंद

आंदोलन हुआ उग्र • मौत से गुस्साए लोग • आगजनी

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में छात्रों का आरक्षण के विरोध में शुरू आंदोलन उग्र हो गया है। देशव्यापी बंद का आज दूसरा दिन है। पहले दिन अपराह्न तीन बजे के बाद आंदोलनकारियों और पुलिस के बीच जमकर झड़प हुई है। ढाका में हिंसा और आगजनी को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। इस दौरान एक आंदोलनकारी

की मौत हो जाने से विद्यार्थियों का गुस्सा भड़क गया। इसके विरोध में छात्रों ने कई जगह आगजनी की। सुरक्षा एजेंसियों को टकराव बढ़ने की आशंका है। ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार समाचार पत्र के अनुसार, आंदोलन ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। पुलिस अधिकारी आंदोलन से निपटने की रणनीति बनाने का दावा तो कर रहे हैं पर उसका विवरण देने से बच रहे हैं। पुलिस ने कहा है कि आंदोलनकारियों के सड़कों पर उतरकर जनता को परेशान करने पर नरमी नहीं बरती जाएगी। पुलिस मुख्यालय ने कानून का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने का आह्वान किया है। ढाका -शेष पृष्ठ दो पर

नए आपराधिक कानूनों की समीक्षा के लिए बंगाल सरकार ने बनाए सात सदस्यीय पैनल

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल सरकार ने तीन नए आपराधिक कानूनों की समीक्षा के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में सात सदस्यीय पैनल का गठन किया है। इस पैनल को तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। देश भर में ये तीन कानून एक जुलाई से लागू हो गए

हैं। गृह विभाग के मुताबिक यह पैनल भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 (बीएसए) जैसे आपराधिक कानूनों की समीक्षा करेगा। इस बीच, राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से संशोधित सीआरपीसी, आईपीसी और साक्ष्य अधिनियम की समीक्षा के लिए समिति के उद्देश्यों पर तुरंत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। राजभवन ने एक बयान में कहा है कि पश्चिम बंगाल एक देश के भीतर एक अन्य देश नहीं है। इसे बनाना गणराज्य में परिवर्तित नहीं किया जा सकता। राज्य सरकार के पैनल की अध्यक्षता जस्टिस (सेवानिवृत्त) अशिम कुमार रॉय करेंगे, जिसमें राज्य के विधि मंत्री मलय घटक और वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पत्रकारिता को दोहरे मानदंडों और अनैतिक आचरण से निपटना चाहिए : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश में जिम्मेदार पत्रकारिता का आह्वान करते हुए कहा कि पत्रकारिता को दोहरे मानदंडों और अनैतिक आचरण से निपटना चाहिए। एक हिंदी दैनिक द्वारा आयोजित जूनियर एडिटर प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों से गुरुवार को संसद में बातचीत करते हुए उपराष्ट्रपति धनखड़ ने मीडिया से आत्मनिरीक्षण का आह्वान किया और मीडिया से भारत की विकास गाथा पर ध्यान देने की अपील की। उपराष्ट्रपति ने मीडिया द्वारा सीमित प्रभाव वाली घटनाओं को दिए जाने वाले असंगत कवरेज पर चिंता व्यक्त की, जिससे ठोस और दीर्घकालिक पहलों पर असर पड़ता है। उपराष्ट्रपति ने भारत की 5000 वर्षों की सांस्कृतिक विरासत का शानदार ढंग से वर्णन किया और इसकी लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हमारी प्रजातांत्रिक व्यवस्था कितनी स्वस्थ है। हमारे यहां शासन परिवर्तन कितना आसानी से होता है। हर चुनाव दर्शाता है। हाल का चुनाव कितना जबरदस्त रूप से संपन्न हुआ। पर नतीजा आपके पक्ष में आए तो हर्षोल्लास हो, नतीजा आपके विरुद्ध में आए तो आप खामियां निकालते हो। उपराष्ट्रपति ने जिम्मेदार पत्रकारिता का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसे दोहरे मापदंड पर पत्रकारिता का एक योगदान होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने मीडिया से आग्रह किया कि वह दुनिया के सामने भारत की सही छवि पेश करने में अपनी जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने कहा कि भारत का आकलन बाहर के लोग नहीं कर सकते, वे अपनी दृष्टि से ऐसा करते हैं। ऐसे बहुत से लोग हैं, जो देश में कम और बाहर ज़्यादा हैं, जो हमारी अप्रत्याशित और अकल्पनीय प्रगति को पचा नहीं पा रहे हैं कि हम एक महाशक्ति बन रहे हैं। मीडिया के व्यावसायीकरण और प्रेरित आख्यानों के लिए उसके नियंत्रण पर दुख जताते हुए धनखड़ ने लोकतंत्र को बनाए रखने में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने मीडिया से पक्षपातपूर्ण विचारों से ऊपर उठने और राजनीतिक एजेंडों या राष्ट्रीय हितों के खिलाफ ताकतों के साथ जुड़ने से बचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह आत्ममंथन का समय है। मैं मीडिया से पूरी विनम्रता और ईमानदारी से अपील करता हूं कि वे विकास में भागीदार बनें। वे अच्छे कार्यों को उजागर करके गलत स्थितियों और कमियों की आलोचना करके ऐसा कर सकते हैं। उपराष्ट्रपति ने संसदीय कार्यवाही में व्यवधानों और सनसनीखेजता की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संविधान सभा लोकतंत्र का मंदिर थी, जहां हर सत्र ने बिना किसी व्यवधान या गड़बड़ी के हमारे राष्ट्रवाद की नींव रखने में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि व्यवधान और गड़बड़ी दुर्भाग्य से अपवादों के बजाय राजनीतिक उपकरण बन गए हैं। मीडिया में व्यवधान को महिमामंडित करने की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए धनखड़ ने मीडिया से संसदीय कार्यवाही को कवर करने में अपनी प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने का आह्वान किया।

जाह्नवी कपूर अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। जाह्नवी कपूर इन दिनों लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। बीते दिनों ही वह अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में शामिल हुई थीं। वह सभी फंक्शन्स का हिस्सा बनी थीं। इस दौरान उनका फैशन काफी चर्चा में था, एक्ट्रेस के सभी लुक्स सोशल मीडिया यूजर्स को पसंद आए थे। उनकी शादी से फ्री होने के बाद जाह्नवी कपूर अब तुरंत ही अपनी आगामी फिल्म *उलझ* के प्रमोशन में जुट गई हैं, जिसका हाल ही में ट्रेलर रिलीज किया गया। हालांकि, इस बीच *धड़क* एक्ट्रेस के अस्पताल में भर्ती होने की खबर सामने आ रही है। जिससे उनके फैंस थोड़े चिंतित हो गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फूड प्वाइजनिंग की शिकायत होने के बाद जाह्नवी कपूर को मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। वह किस अस्पताल में हैं, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। उनके करीबी सूत्र ने एक्ट्रेस के स्वास्थ्य पर अपडेट शेयर करते हुए बताया है कि फिलहाल डॉक्टर उन्हें ट्रीट कर रहे हैं और वह जल्द ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी।

फंड ले पाएगी शिवसेना (यूबीटी) : ईसी

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) को लोगों से फंड एकत्र करने के लिए अधिकृत कर दिया है। इससे अब पार्टी सरकारी कंपनियों को छोड़कर विभिन्न स्त्रोतों से फंड ले पाएगी। चुनाव आयोग ने आज इस संबंध में संचार जारी किया। इसमें आयोग ने कहा कि पार्टी सरकारी कंपनी के अलावा किसी भी व्यक्ति या कंपनी द्वारा स्वेच्छा से दी गई किसी भी राशि को स्वीकार कर सकती है। अनुमोदन जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29बी और धारा 29सी के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि शिवसेना के दो गुटों में बंट जाने के बाद मूल शिवसेना और उसका चुनाव चिन्ह एकनाथ शिंदे समूह को चला गया था।

गोंडा रेल हादसा : राहत कार्य में जुटे संघ के स्वयंसेवक

लखनऊ (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के गोंडा-मनकापुर रेलखण्ड के मध्य मोतीगंज-झिलाही स्टेशन के मध्य डाउन लाइन पर गुरूवार को करीब पौने तीन बजे 15904 चण्डीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस ट्रेन हादसे में चार लोगों की मौत की सूचना है जबकि 14 लोग घायल हो गए हैं। इस बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने 30 यूनिट ब्लड डोनेट किया। घटना की सूचना प्राप्त होते ही अवध प्रांत के गोंडा जिले के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक घटनास्थल पर पहुंच कर स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को मनकापुर तथा गोंडा जिला अस्पताल पहुंचाया। इस मौके पर संघ के 100 से अधिक स्वयंसेवकों ने सेवा कार्य किया। साथ ही स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर यात्रियों के बिखरे पड़े सामान आदि एकत्र कराए।

एजेंसियां ड्रग्स नेटवर्क का भांडाफोड़ करने पर दें जोर : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि सभी एजेंसियों का उद्देश्य ड्रग्स के कारोबार से जुड़े पूरे नेटवर्क का भांडाफोड़ करना होना चाहिए। केवल नशा करने वालों को पकड़ने से काम नहीं चलेगा। नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 7वीं शीर्ष स्तरीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नशे का पूरा कारोबार अब नार्को-आतंकवाद से जुड़ गया है और नशे के कारोबार से आने वाला पैसा देश की सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरा बन गया है। हमारा अप्रोच होना चाहिए कि हम एक ग्राम भी ड्रग्स भारत में नहीं आने देंगे और न ही भारत की सीमाओं का इस्तेमाल किसी भी तरह से ड्रग्स तस्करी के लिए होने देंगे। शाह ने कहा कि ड्रग्स व्यापार हमारी अर्थव्यवस्था को कमजोर करने वाले चैनलों को भी मजबूत करता है। ड्रग कार्टेल हवाला लेनदेन और कर चोरी में शामिल होते हैं। यह एक बहुस्तरीय अपराध है और हमें इससे कठोरता से निपटने की जरूरत है। ड्रग्स आपूर्ति श्रृंखला के प्रति कठोर नजरीया, मांग में कमी लाने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण और नुकसान रोकने के लिए एक मानवीय दृष्टिकोण होना चाहिए।

জাননী

ৰাজকুমাৰ খেজুৰ নামৰ উক্ত শিশুটি বিগত ইংৰাজী ১৮/১০/২০২৩ তাৰিখে শিশু কল্যান সমিতি, গোলাঘাটলৈ হোজাই জিলাৰ পৰা। অনা হৈছিল। শিশুটিৰ বয়স আনুমানিক (১৩) তেৰ বছৰ। শিশুটিয়ে জনোৱা ঠিকনাত পিতৃ-মাতৃৰ সম্ভেদ নোপোৱাত বৰ্তমান শিশুটি শিশু কল্যান সমিতি, গোলাঘাটৰ তত্বাৱধানত আছে।

কোনো সদাশয় ব্যক্তিয়ে শিশুটিৰ পিতৃ-মাতৃৰ তথা আত্মীয়ৰ সম্ভেদ পালে তলৰ ঠিকনাত যোগাযোগ কৰিবলৈ অনুৰোধ জনোৱা হ'ল।

জিলা শিশু সুৰক্ষা বিষয়াৰ কাৰ্যালয়
চানু খেৰীয়া ক্লিনিকৰ সমীপত, কোৰ্ট ৰোড, গোলাঘাট
ফোন ঃ ৮৮২২১৬৮৫৪৭

-- Janasanyog /D/2691/24/19-Jul-24

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
HEPATOLOGY /LIVER TRANSPLANT TEAM

Dr. U.V.U Vamsidhar Reddy MD (JIPMER), DM (PGIMER,Chandigarh)
Will be available only for consultation at Guwahati

on 29th July'2024

Patients suffering from Liver Failure, Hepatitis B & C, Alcoholic Liver Disease, Liver Cirrhosis & Liver Tumour etc can register their names:

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph : 8404037649, 0361-3102166, 0361-3102669

सनातन धर्म मानव जाति के कल्याण में करता है विश्वास : भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद पूरी दुनिया को यह पता चल गया कि भारत के पास शांति और खुशहाली का रास्ता है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म मानव जाति के कल्याण में विश्वास करता है। भागवत ने कहा कि पिछले दो हजार वर्षों में विभिन्न प्रयोग किए गए, लेकिन वे भारत की पारंपरिक जीवन शैली में निहित खुशी और शांति प्रदान करने में विफल रहे। कोरोना के बाद दुनिया को पता चला कि भारत के पास शांति और खुशहाली का रास्ता है। भागवत यहां गैर-लाभकारी संगठन विकास भारती द्वारा आयोजित ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति और धर्म राजमहलों से नहीं, बल्कि आश्रमों और जंगलों से आई है। बदलते समय के साथ हमारे कपड़े तो बदल सकते हैं लेकिन हमारा स्वभाव कभी नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा कि बदलते समय में अपने काम और सेवाओं को जारी रखने के लिए हमें नए तौर-तरीके अपनाने होंगे। जो लोग अपने स्वभाव को बरकरार रखते हैं, उन्हें विकसित कहा जाता है। भागवत ने कहा कि सभी को समाज के कल्याण के लिए अथक प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासी पिछड़े हुए हैं और उनके लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी काम किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों में जहां आदिवासी पारंपरिक रूप से रहते हैं, वहां के लोग शांत और सरल स्वभाव के होते हैं और ऐसा बड़े शहरों में नहीं मिलता। यहां तो मैं गांव वालों पर आंख मूंदकर भरोसा कर सकता हूं, लेकिन शहरों में हमें सतर्क रहना पड़ता है कि हम किससे बात कर रहे हैं। भागवत ने कहा कि वह देश के भविष्य को लेकर कभी चिंतित नहीं रहे, क्योंकि कई लोग इसकी बेहतरी के लिए सामूहिक रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के भविष्य को लेकर कोई संदेह नहीं है, अच्छी चीजें होनी चाहिए, इसके लिए सभी मिलकर काम कर रहे हैं, हम भी प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों का अपना स्वभाव है और कई लोग बिना किसी नाम या ख्याति की इच्छा के देश के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे यहां पूजा की अलग-अलग पद्धतियां हैं, क्योंकि हमारे यहां 33 करोड़ देवी-देवता हैं और 3,800 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं और यहां तक कि खान-पान की आदतें भी भिन्न हैं।

पृष्ठ एक का शेष

चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस...

लखनऊ के लिए 8957409292, सीवान के लिए 9026624251, छपरा के लिए 8303979217 तथा देवरिया सदर के लिए 8303098950 हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। वहीं डीएम गोंडा ने कंट्रोल रूम का नंबर 05262-230125, 358560 नंबर जारी किया है। गोंडा में हुए ट्रेन हादसे के बाद जिले से होकर छह ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इसको लेकर पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने आदेश जारी कर दिया है। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त प्रबंध किए गए हैं। साथ ही सतर्कता भी बढ़ा दी गई है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि 12555 गोरखपुर-बठिण्डा गोरखधाम एक्सप्रेस, 12553 सहरसा-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस, 15273 रक्सौल-आनन्द विहार टर्मिनस सत्याग्रह एक्सप्रेस, 19038 बरौनी-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस, 22537 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस कुशीनगर एक्सप्रेस, 13019 हावड़ा-काठगोदाम बाघ एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन किया गया है। इसे बढ़नी-गोंडा के रास्ते चलाया जाना है। ऐसे में यह ट्रेन गोंडा से होकर गुजरेगी। ट्रेनों के परिचालन के साथ ही स्टेशन पर चौकसी बढ़ाई गई है। रेलवे सुरक्षा बल को ट्रेनों के आवागमन के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने को कहा गया है। वहीं, स्वास्थ्य सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखा गया है। सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि डॉक्टरों की टीम व एंबुलेंस को तैयार कर दिया गया है। जैसे ही गोंडा से मांग होती है, उन्हें रवाना कर दिया जाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक सौम्या माथुर ने बताया कि चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन हादसे की रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) जांच करेंगे। रेल मंत्रालय ने हादसे में मृतकों के परिजनों को दस-दस लाख, गंभीर रूप से घायलों को ढाई-ढाई लाख और सामान्य चोटिल मुसाफिरों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने का एलान किया है। दुर्घटना में घायलों को गोंडा मेडिकल कॉलेज में इलाज अधिकारियों की निगरानी में हो रहा है। सीडीओ एम. अरुन्मौली ने सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा के साथ घायलों का हाल जाना। सीडीओ ने बताया कि मरीजों के इलाज के विशेष इंतजाम किए गए हैं। वहीं रेल हादसे की पड़ताल के लिए पुलिस महकमे के उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे। देर शाम तक अधिकारी मौके पर डटे रहे। रेल हादसे में सुरक्षित बचे हजारों की संख्या में यात्रियों को मनकापुर रेलवे स्टेशन भेजा गया था। उन्हें बस्ती, गोरखपुर, देवरिया होते हुए डिब्रूगढ़ से जाने वाले यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए रेलवे ने इंतजाम किए। आनन-फानन में चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन की तरह की एक ट्रेन गोमतीनगर से बनकर मनकापुर पहुंची। जिसमें यात्री सवार हुए और उन्हें लेकर ट्रेन रवाना हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोंडा जिले में गुरुवार को हुए रेल हादसे का संज्ञान लेकर अधिकारियों को तत्काल मौके पर जाकर राहत एवं बचाव कार्य तेजी से कराने का निर्देश दिया। उन्होंने घायलों के समुचित इलाज कराने का भी निर्देश दिया। वहीं जिला प्रशासन के अधिकारियों को पीड़ितों को हरसंभव मदद मुहैया कराने को कहा। बता दें कि हादसे के बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर आसपास के जिलों के सभी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट मोड पर रहने को कहा गया है। साथ ही, नजदीकी जिलों में तैनात एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को भी तत्काल मौके पर जाकर राहत एवं बचाव कार्य के निर्देश दिए गए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गोंडा में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटना में हुई मौतों पर गहरा शोक जताया है। अखिलेश यादव ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए सरकार से घायलों की अच्छी चिकित्सा उपलब्ध कराने की मांग की है। चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही एक्सप्रेस ट्रेन (15904) हादसे के बाद दो यात्री ट्रेनों को रेलवे विभाग ने निरस्त कर दिया। इसके अलावा 16 ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया है। डायवर्ट की गई ट्रेनों को अयोध्या-मनकापुर होकर चलाया जा रहा है। इस कारण रेलवे स्टेशन गोंडा पर यात्रियों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ी। सैकड़ों श्रद्धालु माता वैष्णो देवी जाने से वंचित रह गए। टिकट घर में टिकटों का कैंसिल करने के लिए यात्रियों के भीड़ लगी रही। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन के जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने बताया कि ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। जिसमें वैशाली, गोरखधाम, सप्तक्रांति, बिहार संपर्क क्रांति, सत्याग्रह, बांद्रा, कुशीनगर, बाघ, लखनऊ-बरौनी, लखनऊ-गोरखपुर इंटरसिटी, ग्वालियर-बरौनी सहित 16 ट्रेनों का मार्ग में परिवर्तन करके गोंडा से बलरामपुर एवं मनकापुर से अयोध्या के बीच चलाई गई। ट्रेनों के डायवर्ट किए जाने से यात्रियों में खलबली मची जा रही है। कई अन्य मुसाफिरों को यात्रा निरस्त करनी पड़ी। उधर यूपी के गोंडा में डिब्रूगढ़-चंडीगढ़ एक्सप्रेस के हादसे के बाद असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को इसकी जानकारी दी गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ट्रेन हादसे की पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और असम सरकार संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश की रेल सुरक्षा को लगातार खतरे में डाल रही है। एक के बाद एक रेल दुर्घटनाओं की जिम्मेदारी कौन लेगा। पीएम और रेल मंत्री प्रचार के किसी मौके से नहीं चूकते तो उन्हें ऐसी भारी चूक की भी सीधी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने हादसे के शिकार लोगों के प्रति संवेदना जताई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। खड़गे ने कहा कि एक माह पहले कंचनजंगा एक्सप्रेस और मालगाड़ी के बीच टक्कर पर खुद रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने कहा है कि हादसा तो होना ही था। स्वचालित सिग्नल की विफलता के कारण यह दुर्घटना हुई थी, संचालन प्रबंधन में कई स्तरों पर चूक, तथा लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर के पास वॉकी-टॉकी जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों की अनुपलब्धता को इसका कारण बताया गया है। फिर भी सरकार ने कोई सबक नहीं लिया। कांग्रेस ने सभी मार्गों पर सुरक्षा के लिए कवच सिस्टम जल्द से जल्द लगाने की मांग भी की। तृणमूल कांग्रेस की सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुष्मिता देव ने कहा कि हादसे के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जिम्मेदार हैं। रेलवे अब सुरक्षित नहीं है। वहीं, पार्टी की दूसरी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि ऐसा लगता है कि मोदी सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल के बाद रेलवे आपातकालीन कक्ष में पहुंच चुका है।

हादसे का भयावह ...

दोनों की हालत बिगड़ी थी। मगर इलाज के बाद दोनों अब खतरे से बाहर हैं। चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन गुरुवार की दोपहर गोंडा रेलवे स्टेशन से छूटने के बाद करीब 3.45 बजे गोंडा-गोरखपुर रेलखंड के मोतीगंज रेलवे स्टेशन से गुजर रही थी। मोतीगंज-झिलाही रेलवे स्टेशन के मध्य पिकौरा कोयरीपुर गांव के पास रेल ट्रेक में आई खराबी के कारण पहले ट्रेन दो डिब्बे पलट गए। इसके बाद एक के बाद एक करके और 12 डिब्बे पलट गए। रेल हादसे के बाद कोहराम मच गया। इस हादसे में लोगों की मौत के साथ तीन दर्जन से अधिक लोग जख्मी हो गए। हादसे की सूचना पर प्रशासन व पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। गर्मी व उमस के कारण बचाव व राहत कार्य में जुटीं थानाध्यक्ष मोतीगंज प्रतिभा सिंह अचानक बेहोश हो गईं, उनके बेहोश होते ही चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन के लोको पायलट लखनऊ निवासी राजनाथ की भी हालत बिगड़ गई। मौके पर राहत कार्य में लगी डॉक्टरों की टीम ने दोनों का इलाज किया। डॉक्टरों ने बताया कि हार्टबीट बढ़ने से दोनों की हालत बिगड़ी थी। अब दोनों खतरे से बाहर हैं।

राज्य में मुस्लिम ...

नहीं हुई है। बोरा ने कहा कि शर्मा अब इस तरह के बयान चिंता से नहीं, बल्कि अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए दे रहे हैं, चाहे वह बाढ़ और कटाव की समस्या को हल करने, बेरोजगारी, चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी या छह समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने का मामला हो। तृणमूल कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुष्मिता देव ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में कहा कि झारखंड में असम के सीएम का बयान गलत है। उनके द्वारा दिया गया डेटा गलत है। 1952 में असम में मुस्लिम आबादी 12 प्रतिशत नहीं, बल्कि 25 प्रतिशत थी। असम बांग्लादेश के साथ सीमावर्ती राज्य है, विभाजन के बाद कई लोग यहां आए थे। पूर्व लोकसभा सांसद ने कहा कि मैं सीएम को याद दिलाना चाहता हूं कि भारत सरकार को 2021 में जनगणना करानी थी, जो उसने कोविड के बहाने नहीं की। तो, यह 40 प्रतिशत का आंकड़ा कहां से आया?

मुस्लिम विवाह कानून ...

अधिनियम और नियम 1935 को निरस्त करने का निर्णय लिया है। असम कैबिनेट की ओर से मंजूर असम रिपीलिंग अधिनियम को अब विचार के लिए असम विधानसभा के अगले मानसत्र सत्र में रखा जाएगा। कैबिनेट ने यह भी फैसला किया है कि असम में मुस्लिम विवाहों के पंजीकरण के लिए एक उपयुक्त कानून लाया जाए, जिस पर विधानसभा के अगले सत्र तक विचार किया जाएगा।

वाहन की विंडशील्ड ...

जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग के अन्य उपयोगकर्ताओं को असुविधा होती है। सभी उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह एजेंसियों और रियायतकर्ताओं को विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की गई है, ताकि सामने की विंडशील्ड पर फास्टैग न लगाए जाने की स्थिति में दोगुना उपयोगकर्ता शुल्क वसूला जा सके। यह जानकारी सभी उपयोगकर्ता शुल्क प्लाजा पर भी प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी, जिसमें राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को सामने की विंडशील्ड पर फास्टैग लगाए बिना टोल लेन में प्रवेश करने पर लगने वाले जुर्माने के बारे में बताया जाएगा। इसके अलावा, शुल्क प्लाजा पर वाहन पंजीकरण संख्या (वीआरएन) के साथ सीसीटीवी फुटेज को गैर-चिपके हुए फास्टैग मामलों में दर्ज किया जाएगा। इससे वसूले गए शुल्क और टोल लेन में वाहन की उपस्थिति के बारे में उचित रिकॉर्ड बनाए रखने में मदद मिलेगी।

जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ...

पूरा करना चाहता है लेकिन भारत जम्मू-कश्मीर को अपना हिस्सा मानता है इसलिए चीन पाक की जम्मू-कश्मीर को हथियाने में मदद कर रहा है। अब भारतीय सेना, पुलिस, बी.एस.एफ., सुरक्षा एजेसिंयां और अन्य सुरक्षाबलों को अपनी रणनीति बना लेनी चाहिए और आने वाले खतरे से देश को बचाने के लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। चीन और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए देश के प्रतिनिधियों को जल्द से जल्द कोई ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

पश्चिम बंगाल में ...

दौरान फिलिस्तीनी झंडा फहराया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि यह घटना एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी के *जय फिलिस्तीन* नारे से प्रेरित है, जो उन्होंने लोकसभा में अपने शपथ ग्रहण के दौरान दिया था। अधिकारी ने मुर्शिदाबाद के एसपी और पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार को टैग करते हुए आग्रह किया कि इस मामले की तुरंत जांच की जाए और यदि इस घटना की पुष्टि होती है, तो ऐसे राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए, जो भारतीय धरती पर विदेशी झंडा फहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह घटना देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। फिलहाल, इस मामले पर पुलिस और प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

बांग्लादेश में आरक्षण के ...

के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक इनामुल हक सागर ने कहा है कि किसी भी मांग के नाम पर अराजक स्थिति पैदा करना, कानून-व्यवस्था को खराब करना, सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालना और संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वीकार्य नहीं है। अगर आज सड़कें अवरुद्ध की जाती हैं तो सख्ती से निपटा जाएगा। सभी संवेदनशील इलाकों, विश्वविद्यालयों के आसपास अतिरिक्त पुलिस तैनात किया गया है। ढाका विश्वविद्यालय के आसपास बख्तरबंद कर्मचारियों को पानी की बौछार करने वाली मशीनों को तैनात किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी के सभी विश्वविद्यालयों के छात्रावासों को खाली करा लिया गया है। आंदोलनकारियों को राजधानी के स्कूलों और कॉलेजों में घुसने से रोकने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की गुप्तचर शाखा के प्रमुख हारुनोर रशीद ने कल दोपहर ढाका विश्वविद्यालय परिसर में पत्रकारों से कहा कि छात्र आरक्षण आंदोलन को राजनीतिक दलों का समर्थन मिलने से हालात बिगड़े हैं। बताया गया है कि बुधवार शाम सात बजे तक ढाका विश्वविद्यालय के सभी छात्रावास खाली करा लिए गए। आधीरात अचानक छात्रों का एक समूह ढाका विश्वविद्यालय क्षेत्र की तरफ बढ़ने लगा। यह देखकर पुलिस ने चेताया तो जतराबारी-शोनिर अखरा क्षेत्र में आग लगा दी गई। यहां हुई झड़प में दर्जनों लोग घायल हो गए और एक आंदोलनकारी की मौत हो गई।

नए आपराधिक कानूनों ...

भी शामिल किया गया है। अधिसूचना में कहा गया कि समिति को विषय पर अपने विचार प्राप्त करने के लिए शैक्षणिक विशेषज्ञों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं, अनुसंधान सहायकों और अन्य कानूनी विशेषज्ञों को संलग्न करने का अधिकार होगा। इसमें सार्वजनिक परामर्श करने की शक्ति भी होगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 21 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को टालने का आग्रह किया था। उन्होंने संसद में नए कानूनों पर और चर्चा की भी मांग की थी।

आंगनबाड़ी केंद्र में खाने ...

बताया कि आंगनवाड़ी केंद्र देकपुरा में छोटे बच्चों को दोपहर को भोजन में रसियाव परोसा गया था जिसे खाने के बाद बच्चों ने उल्टी करना शुरू कर दिया। इतमें में एक बच्चें की थाली में मरी हुई छिपकली पाई गई। इस घटना के बाद बच्चे डर गए और अपने परिजनों को इसके बारे में बताया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रहुई के एक डॉक्टर ने बताया कि सभी बच्चे खतरे से बाहर है और उनकी स्थिति ठीक है। फिलहाल बच्चों को इलाज के लिए यहीं रखा जाएगा। इसी बीच गांव में जब ये खबर फैली तो सभी लोग आक्रोशित हो गए और गुस्साए परिजन आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचे और वहां मौजूद रसोइया और अन्य कर्मचारियों को बंधक बना लिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला।

आईईडी विस्फोट की...

जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर दरभा डिवीजन के नक्सली बड़ी संख्या में मौजूद हैं। सूचना पर तीनों जिलों से एसटीएफ, डीआरजी, कोबरा और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को बुधवार देर शाम अभियान के लिए रवाना किया गया था। जवानों के वापसी के दौरान बुधवार रात्रि 10 बजे थाना तर्रेम एरिया में मंडीमरका के जंगल में आईईडी विस्फोट की चपेट में आए दो जवान बलिदान हो गए। वहीं, चार जवान घायल हैं। घायल जवानों का उपचार जारी है और उनकी हालत सामान्य है। बलिदानी भरत साहू रायपुर और सत्येर सिंह कांगे नारायणपुर के रहने वाले थे। जगदलपुर पुलिस लाइन में आज गुरुवार दोपहर 1 बजे बलिदानी जवानों को सलामी दी जाएगी।

केंद्र ने किया ...

घायल होने की खबर है। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर रेलवे के अधिकारी रवाना हुए। इसके साथ ही एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। जानकारी के मुताबिक, ट्रेन हादसा होने के बाद स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और पीड़ितों को बचाया। वहीं, 15 एंबुलेंस भी मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद रेलवे ने हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिए हैं। इसके अलावा 2 पैसेंजर ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है।

कैबिनेट के बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

गुवाहाटी (हिंस)। असम कैबिनेट की गुरुवार को हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए असम सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण आदि मामलों के मंत्री भी जयंत मल्लबरुवा ने कहा कि सरकार ने बाल विवाह के खिलाफ अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करके अपनी मुस्लिम बेटियों और बहनों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट की बैठक में सरकार ने असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम और नियम 1935 को असम निरसन विधेयक 2024 के माध्यम से निरस्त करने का निर्णय लिया है। आगामी विधानसभा सत्र में इस संबंध में विधेयक लाया जाएगा। इसके अलावा कैबिनेट की बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि असम की बराक घाटी के तीनों जिलों में हर महीने असम सरकार के दो मंत्री जाएंगे। वहां जाकर दोनों मंत्री तीन दिनों तक प्रवास करेंगे। वहां के सांसदों, विधायकों तथा विभागीय पदाधिकारियों के साथ ही स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठक करके स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान करेंगे। उल्लेखनीय है कि मंत्री जयंत मल्लबरुवा तथा पीयूष हजारिका बराक घाटी के अभिभावक मंत्री हैं। इनके अलावा भी कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ ही विभिन्न योजनाओं से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट की बैठक से पहले गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि भारत बाल संरक्षण रिपोर्ट में दो प्रमुख कारकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए बाल विवाह को 81 फीसदी तक कम करने में असम की सफलता पर प्रकाश डाला गया है। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए मजबूत सामुदायिक समर्थन मिला है। सख्त अभियोजन के बाद लगातार गिरफ्तारियां हुई है।

गोलकगंज में हिरासत से भाग रहे पशु तस्कर को पुलिस ने मारी गोली

धुबड़ी (हिंस)। जिले के गोलकगंज में भारत-बांग्लादेश सीमा पर पश्चिम गाइखोवा में हिरासत से भागने की कोशिश करने पर पुलिस ने मोस्टवांटेड पशु तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को गोली मार दी। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि पशु तस्करी के आरोप में मोस्टवांटेड सिराजुल हक को गिरफ्तार किया गया था। गोलकगंज पुलिस गुरुवार तड़के गिरफ्तार सिराजुल को लेकर उसकी निशानदेही के लिए भारत-बांग्लादेश सीमा पर पश्चिम गाइखोवा गई थी। पुलिस के अनुसार उसी समय आरोपित ने पुलिस टीम पर हमला कर भागने की कोशिश की थी। इसके बाद पुलिस को गोली चलानी पड़ी जिससे वह घायल हो गया। पुलिस को माफिया सिराजुल हक को फिर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस गोली से घायल सिराजुल को धुबड़ी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राज्य में घट रहा बाढ़ का पानी साढ़े तीन लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति में बृहस्पतिवार को सुधार हुआ और राज्य के कई हिस्सों में जलस्तर घटने लगा। हालांकि 11 जिलों में साढ़े तीन लाख से अधिक लोग अब भी इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हैं। एक आधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि ब्रह्मपुत्र नदी सहित प्रमुख नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं। कछार, धेमाजी, धुबड़ी, डिब्रूगढ़, ग्वालपाड़ा, गोलाघाट, कामरूप मेट्रोपोलिटन, करीमगंज, नगांव, नलबाड़ी और शिवसागर जिलों में कुल 3,55,400 लोग बाढ़ से बेहाल हैं। धुबड़ी में सबसे अधिक लगभग 80 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इसके बाद बाढ़ प्रभावित 77500 लोगों के साथ नागांव और 72 हजार लोगों के साथ कछार का स्थान है। मंगलवार को 12 जिलों में कुल 4.04 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित थे। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बुलेटिन में कहा कि इस वर्ष राज्य में बाढ़, बिजली और तूफान से 113 लोगों की मौत हुई है। कुल 66 राहत शिविरों में करीब 13 हजार लोग शरण लिए हुए हैं। अन्य 19 राहत वितरण केंद्रों से 11 हजार लोगों को राहत प्रदान की जा रही है। राज्य में बाढ़ के पानी में 16,673 हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो गई है, जबकि 1,63,800 से अधिक पालतू पशु और मुर्गियां प्रभावित हुई हैं। ब्रह्मपुत्र नदी धुबड़ी में, दिसांग नदी नांगलमुराघाट में और रुकनी नदी धोलाई में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बुलेटिन में कहा गया है कि विभिन्न जिलों में तटबंध, घर, सड़कें, पुल, मकान और अन्य बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचने की खबर है।

धुबड़ी में दवा के गोदाम से भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी में एक दवा के गोदाम पर पुलिस द्वारा की गई छापामारी में भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किया गया है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मानकाचर निवासी सज्जाद हुसैन उर्फ बाबू के रूप में हुई है। अभियान में एक लाख रुपए से अधिक मूल्य के प्रतिबंधित मादक कैप्सूल और भारी मात्रा में प्रतिबंधित मादक कफ सिरप बरामद किए गये। जिस गोदाम से प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद किए गये हैं, वह गोदाम एक फार्मासिस्ट का है। फार्मासिस्ट के इस गोदाम का इस्तेमाल ड्रग तस्करी के लिए किया जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर धुबड़ी पुलिस ने इस अभियान को अंजाम दिया।

डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस गोंडा के पास पटरी से उतरी, हेल्पलाइन नंबर जारी

गुवाहाटी (हिंस)। चंडीगढ़ से रवाना हुई ट्रेन संख्या 15904 चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस गुरुवार को लगभग 14-37 बजे पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकार क्षेत्र में मोतीगंज और झिलाही रेलवे स्टेशन के बीच किलोमीटर 638/19 पर गोंडा जंक्शन स्टेशन के पास पटरी से उतर गई। ट्रेन के आगे के 4-5 डिब्बे पटरी से उतर गए । सूचना मिलते ही पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मेडिकल टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन के हवाले से पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे के अनुसार पटरी से उतरने के कारण अब तक एक व्यक्ति की मौत और सात लोग घायल हुए हैं। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। घटना के बाद पूसीरे के विभिन्न स्टेशनों पर हेल्पलाइन नंबर सक्रिय कर दिए गए हैं। इन नंबरों में वाणिज्यिक नियंत्रण (तिनसुकिया) : 9957555984, फुर्केटिंग (एफकेजी) : 9957555966, मारियानी (एमएक्सएन) : 6001882410, सिमलगुड़ी (एसएलजीआर): 8789543798, तिनसुकिया (एनटीएसके): 9957555959, डिब्रूगढ़ (डीबीआरजी) : 9957555960, वाणिज्यिक नियंत्रण (कटिहार) : 9771441956, 9002041952, कटिहार (केआईआर) : 6287801805, किशनगंज (केएनई) 06456226794, 7542028020, न्यू जलपाईगुड़ी (एनजेपी) - 6287801758, सिलीगुड़ी (एसजीयूजे) - 9749397735, वाणिज्यिक नियंत्रण (अलीपुरद्वार) : 7605036155, न्यू अलीपुरद्वार (एनओक्यू) : 0361 2670086, वाणिज्यिक नियंत्रण (गुवाहाटी) : 9957553299, लुमडिंग (एलएमजी) : 03674 263120, 263126, गोंडा - 8957400965, लखनऊ- 8957409292 और गोरखपुर- 05512208169 शामिल हैं।

बोको के चमरिया में खेत की खाई डूबने से एक की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप जिले के बोको चमरिया के माकेली स्थित खेत की खाई में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान शाहजहां अली (47) के रूप में हुई है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि शाहजहां का घर चमरिया के पास बरुवा गांव में है। वह कल अपने मवेशी चराने के लिए मकाली के खेतों में गया था। कल रात तक उसके घर नहीं लौटने के कारण गुरुवार को लोगों ने उसकी तलाश शुरू की। आखिरकार चमरिया पुलिस

नगांव में ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव के कचुवा में हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान जुरीपार के नूर मोहम्मद के रूप में हुई है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर की गई पुलिस कार्रवाई में गिरफ्तार तस्कर के कब्जे से दो साबुनदानी में 22.73 ग्राम हेरोइन जब्त करने में कामयाबी हासिल हुई। नूर मोहम्मद पर लंबे समय से ड्रग्स की तस्करी का आरोप था।

चारों धामों में आने वाले दर्शनार्थियों की सुरक्षा के लिए दस करोड़ रुपए का दुर्घटना सुरक्षा बीमा

जोरहाट (हिंस)। उत्तराखंड की चारों धामों में आने वाले दर्शनार्थियों की सुरक्षा हेतु विश्व प्रसिद्ध आध्यात्मिक और सामाजिक संस्था मानव उत्थान सेवा समिति की ओर से आज यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के द्वारा श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के माध्यम से दस करोड़ रुपए का दुर्घटना सुरक्षा बीमा दिया गया। मानव उत्थान सेवा समिति की और से समिति की संस्थापक और मानव धर्म की प्रणेता श्री सतपाल जी महाराज आज अपने पुत्र सुयश रावत के साथ सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में बीमा प्रीमियम का चैक संयुक्त रुप से उत्तराखंड की मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय को सौंपा। द्व मानव उत्थान सेवा समिति की और से पंकज कुमार दास ने इसकी जानकारी दी है।

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में आज हेरोइन के साथ एक कुख्यात ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। असम पुलिस द्वारा गुरुवार को दी गई जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) द्वारा आज शाम बशिष्ठ थाना क्षेत्र के हेल्थ सिटी अस्पताल के सामने, बोड़ोलैंड गेस्ट हाउस के पास सर्विस लेन इलाके में छापा मारा गया। छापामारी में एक ड्रग्स तस्कर को उसकी होंडा एविएटर स्कूटी (एएस-01बीटी-7668) के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, उक्त छापे में बरामद की गई वस्तुओं में संदिग्ध हेरोइन वाली 16 शीशियां शामिल हैं, जिनका कुल वजन 22 ग्राम है। साथ ही एक मोबाइल फोन, नकद 750 रुपए भी बरामद हुए। पकड़े गए तस्कर की पहचान कृष्ण नाथ (26) के रूप में हुई है।

करीमगंज में बाइक दुर्घटना में युवक की मौत, एक अन्य घायल

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज में पथारकांदी बाईपास रोड पर बीती रात बाइक दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। दुर्घटना में एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मृतक की पहचान हृदय हुसैन (22) के रूप में हुई है। घायल व्यक्ति की पहचान शमीम अहमद के रूप में हुई है। दोनों रिश्ते में भाई हैं। यह हादसा बुधवार की रात को हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों भाई डिब्रूगढ़ से बाइक पर घर लौट रहे थे कि रास्ते में उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। पीछे से आ रही एक कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। बाइक सवार जमीन पर गिर गया और कार का पहिया उसके सिर के ऊपर से गुजर गया। हेलमेट पहने होने के बावजूद उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर सवार मृतक का बड़ा भाई घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें उठाया। बाद में पथारकंडी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। घटना के बाद कार का चालक कार के साथ फरार हो गया।

गौरव गोगोई को नहीं, भाजपा और सरकार को शहीदों के बारे बात करने में शर्म आनी चाहिए : कांग्रेस

गुवाहाटी। भाजपा नेताओं और मंत्रियों ने अपनी पार्टी की अंदरूनी कलह और सरकार की विफलताओं को छिपाने के लिए कांग्रेस पार्टी और जोरहाट के सांसद गौरव गोगोई की झूठे शब्दों में हास्यास्पद आलोचना की है। इसका मुख्य उद्देश्य असम की जनता का ध्यान राज्य की मुख्य समस्याओं और सत्ताधारी पार्टी के अंदरूनी झगड़ों और बहसों से भटकाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सांसद गौरव गोगोई को शहीदों के बारे में बात करने में शर्म आनी चाहिए. जो कि बेहद हास्यास्पद तर्क है। एक दुधमुंहा बच्चा भी जानता है कि असम की जनता पर दूसरी बार *सीए* थोपकर असम आंदोलन के शहीदों को किसने मारा। किस पार्टी और सरकार ने सर्वमान्य असम समझौते के आधार वर्ष 1971 को नकारकर और असम के लोगों पर एकतरफा *सीए* थोपकर और 2014 तक आए विदेशियों को स्वदेशी बनाकर असम समझौते की भावना की हत्या कर दी ? ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से आपको अपनी दाढ़ी या अल्पविराम नहीं काटना चाहिए ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से आपको अपनी दाढ़ी या अल्पविराम नहीं काटना चाहिए। क्या केंद्रीय राज्य मंत्री असम के लोगों को जवाब दे सकते हैं जहां असम समझौते के अनुच्छेद 6 के कार्यान्वयन के लिए असम के विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों की सलाहकार समिति की सिफारिशों को डंप कर दिया गया है ? क्या भाजपा सरकार जवाब दे सकती है कि पिछले 10 वषो4 से केंद्र में और पिछले 8 वर्षों 4 से राज्य में डबल इंजन सरकार होने के बावजूद उसने असम समझौते को लागू करने के नाम पर क्या किया है ? इसके बजाए, भाजपा और सरकार ने *सीए* नामक एकतरफा कानून लागू किया और असम समझौते की भावना को मार डाला और असम के लोगों को धोखा दिया। इसलिए बीजेपी और सरकार को इस पर शर्म आनी चाहिए। दरअसल, भाजपा और सरकार असम समझौते और शहीदों के बारे में बात करने का अधिकार खो चुकी है। बीजेपी को गौरव गोगोई या कांग्रेस को कहावतें देने से पहले खुद पर नजर डालनी चाहिए। श्री मार्गेरिटा पार्टी प्रवक्ता के रूप में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते थे और जो चाहते थे कहते थे, अब वह एक केंद्रीय मंत्री हैं, भले ही वह राज्य मंत्री हों। इसलिए, मैं आपसे तथ्यों का अध्ययन करने और एक गंभीर प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करने का आग्रह करता हूं। अपना मजाक मत उड़ाओ। मंत्री का दर्जा बरकरार रखें। हालांकि, हम मिस्टर मार्गेरिटा का दर्द भी समझ सकते हैं। इन दिनों नई बीजेपी-पुरानी बीजेपी में टकराव की ही खबरें आ रही हैं। मैंने पार्टी में किसी को यह टिप्पणी करते हुए भी सुना है कि *हमने पार्टी खींच ली और मैकेरल अलग से खा लिया*! इसका मतलब है कि कहीं आग है, अन्यथा कोई धुआं नहीं है। इसलिए, भाजपा पार्टी और मंत्री इन धुएं और भाजपा सरकार की अंतिम विफलताओं पर पर्दा डालने की कोशिश करेंगे। बीजेपी चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, हम विपक्षी राजनीतिक दल लोकसभा में जनता के सहयोग से बीजेपी सरकार की नाकामियों को उठाते रहेंगे। पार्टी के उपनेता और जोरहाट सांसद गौरव गोगोई अपनी बात पूरी करते रहेंगे। असम के प्रमुख मुद्दों को सदन में धाराप्रवाह तरीके से प्रस्तुत कर जिम्मेदारियां और कर्तव्य।

कोकराझाड़ के पाटगांव में हथियारों के साथ दो व्यक्ति गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के पाटगांव में हथियारों की बरामदगी करने के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार की रात गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान सरफानगुड़ी थाना अंतर्गत थाईसुगुड़ी गांव के निवासी बिटुवेल बसुमतारी (30) और सेरफानगुड़ी थाना अंतर्गत झारबारी निवासी सुभाष बसुमतारी के रूप में की गयी है। पुलिस ने इनके पास से एक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इस सिलसिले में कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

टियोक में किशोर की डूबने से मौत

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट जिले के टियोक के काकोजान कमारखाटोवाल गांव में एक किशोर की डूबने से मौत हो गयी। मृतक अपने दोस्तों के साथ तालाब में तैर रहा था। अचानक वह पानी में डूब गया, जिससे किशोर की मौत हो गयी। मृतक की पहचान अरिंदम प्राण महंत के रूप में हुई है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि दोपहर में अरिंदम अपने दोस्तों के साथ घर के पास तालाब में नहाने गया था। मृतक टियोक ज्योति विद्यापीठ का नौवीं कक्षा का छात्र था। किशोर का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए जोरहाट मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है।

बंगाईगांव में एकादशी पर आडंबर रहित ताली कीर्तन का आयोजन

बंगाईगांव। करने वाले श्याम कराने वाले श्याम (अरदास ताली किर्तन) की तरफ से बंगाईगांव में बीओसी गेट स्थित श्री हनुमान मंदिर में प्रतिष्ठित श्याम बाबा के दरबार में महिने की प्रत्येक एकादशी को ताली कीर्तन का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में गत बुधवार को देवशयनी एकादशी के उपलक्ष में ताली कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया तथा गायक आनंद शर्मा ने भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। महिलाओं के अलावा इस कीर्तन में समाज के गण मान्य व्यक्तियों में संपत मल सिंघी, पवन गुप्ता, विश्वनाथ अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, बृजभान बाहेती, प्रदीप सिंघी, अशोक हरलालका, प्रकाश सुरेका, पुरुषोत्तम तापरिया आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस कीर्तन में महिलाओं की उपस्थिति भी सराहनीय योग्य थी। हिंदू धर्म में इस देवशयनी एकादशी का विशेष महत्व होता है। इस दिन भगवान विष्णु के शयन में जाने की कथा प्रचलित है, जिसके अनुसार चार महीनों तक भगवान विष्णु क्षीरसागर में शयन करते हैं और कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को जागते हैं। ज्ञात हो की इस ताली कीर्तन को इस बार एक वर्ष पूर्ण हो चुका है। घर-घर ताली कीर्तन की मुहिम के अंतर्गत भक्तों के इच्छा अनुसार निम्नतम मूल्य पर उनके घरों में ताली कीर्तन का भी आयोजन किया जाता है। इस मुहिम को समाज के भक्तों से अपार सहयोग एवं स्नेह मिल रहा है। घर-घर ताली कीर्तन आडंबर रहित होने के कारण भक्तगण उत्साहित होकर इसे अपने अपने घर में करवा रहे हैं। इस ताली कीर्तन को सफल करने में संजय बजाज, आनंद शर्मा, अनिल सुरेका, गौरव मित्तल, मनोज सिंघी, नवीन अग्रवाल, गोपाल हरलालका, महेश कुमार अग्रवाल, श्रेयांश मरोठी का विशेष सहयोग रहता है। श्याम प्रभु की आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कीर्तन का समापन हुआ।

न्यू बंगाईगांव में यात्री सुविधाओं के बारे में पूसी रेलवे के महाप्रबंधक को ज्ञापन दिया

बंगाईगांव : पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव 17 जुलाई को वंदे भारत ट्रेन का निरीक्षण करते हुए न्यू-बंगाईगांव रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां पहुंचने पर यात्रियों की ओर से तथा क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य महेश कुमार अग्रवाल ने महाप्रबंधक को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें विभिन्न यात्री सुविधाओं के ऊपर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया है। अमृत भारत स्टेशन स्कीम के अंतर्गत चल रहे विभिन्न विकास मूलक कार्यों की जानकारी मांगी गई है तो दूसरी तरफ न्यू-बंगाईगांव रेलवे स्टेशन पर 12 मीटर का एक फुट ओवर ब्रिज निर्माण की जगह प्लेटफार्म के दोनों छोर पर 6 मीटर के दो फुट ओवर ब्रिज बनाने का सुझाव भी दिया गया है। रेलवे बोर्ड के दिशा निर्देशानुसार ज्ञापन में न्यू-बंगाईगांव स्टेशन पर रेम्प एवं एस्केलेटर निर्माण करने के लिए भी आग्रह किया गया है ताकि महिलाओं, बुजुर्गों, रोगियों, बच्चों, दिव्यांगों आदि को सहूलियत हो सके। सभी प्लेटफॉर्मों की छतों का विस्तारीकरण करने का भी सुझाव दिया गया है। कॉविड महामारी के दौरान बंद की गई स्थानीय पैसेंजर ट्रेनों का पूण: संचालन तथा कॉविड के समय लागू पैसेंजर ट्रेनों के विशेष दर्जे को वापस सामान्य दर्जे में परिवर्तित करने के लिए भी कहा गया है ताकि आम तथा दैनिक यात्रियों को अनावश्यक भाड़ा से राहत मिल सके। उक्त स्मारक पत्र में बंगाईगांव स्टेशन पर उत्तर और दक्षिण दिशा को जोड़ने के लिए निर्माणाधीन नए फुट ओवर ब्रिज को सीडियां एवं रैम्फ के द्वारा दोनों प्लेटफार्म से जोड़ने के लिए भी उल्लेखित किया गया है। इसके पहले स्टेशन पर पहुंचने पर स्टेशन अधीक्षक तथा महेश कुमार अग्रवाल ने महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव का फुलाम गमछा से अभिनंदन किया। इस दौरान रेलवे के कई आला अधिकारी भी उपस्थित थे।

संपादकीय

लोकतंत्र में बंदूक संस्कृति

अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर कातिलाना हमला किया गया। वह बाल-बाल बच गए। हमलावर को भी वहीं ढेर कर दिया गया। यह अमरीका ही नहीं, दुनिया के तमाम लोकतांत्रिक देशों के लिए एक गंभीर चेतावनी है। यह किसी भी लोकतंत्र में हो सकता है। कोई भी अतिवाद या उग्रवाद ऐसे हमले के लिए उकसा सकता है। इस पर गहन चिंतन-मनन, आत्ममंथन किया जाना चाहिए। अमरीका लोकतंत्र की जननी है। उसका लोकतंत्र प्राचीनतम है, लेकिन वहां बंदूक भी गोली-बिस्कुट और मूंगफली की तरह उपलब्ध है। औसतन हर हाथ में बंदूक, रिवॉल्वर है। अमरीका आत्म-रक्षा की दलीलें देता रहा है, लेकिन लोकतंत्र के साथ-साथ बंदूक-संस्कृति भी जारी है, यह विरोधाभास कैसे ढोया जा रहा है? लोकतंत्र में यह हत्यारा विरोधाभास भी मौजूद रहेगा, जो आने वाले किसी भी पल में, किसी और को, निशाना बनाया जा सकता है! इस सांस्कृतिक, सामाजिक और बेचैन गिरावट और पतन का अमरीकी नेताओं, राजनीतिक दलों और नागरिकों को लगातार विरोध करना चाहिए। ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति तो हैं। उनकी सुरक्षा-व्यवस्था मौजूदा राष्ट्रपति जितनी ही होती है। रिपब्लिकन पार्टी ने उन्हें एक बार फिर राष्ट्रपति चुनाव का उम्मीदवार बनाया है। चुनाव इसी नवंबर में होंगे, लिहाजा अमरीका में चुनावी मौसम छाया है। इस घटना की जांच कर रही एफबीआई का मानना है कि यह ट्रंप की हत्या करने का हमला था। हमले को लेकर कई सवाल सुरक्षा पर उठाए जा रहे हैं। जांच के बाद जो तथ्य सामने आएंगे, उन्हीं के आधार पर विश्लेषण किया जाना चाहिए, ऐसा हमारा मानना है। बहरहाल जिस 20 साल के नौजवान ने 120 मीटर से निशाना साध कर हमला किया, वह भी रिपब्लिकन पार्टी का सदस्य था और ट्रंप को 'गलत' मानता था। लोकतंत्र में आम नागरिक वोट के जरिए अपना अभिमत प्रकट कर सकता है और यही उसका बुनियादी अधिकार है, लेकिन अमरीका में लोकतंत्र के साथ राजनीतिक हिंसा का भी संबंध रहा है। राजनीति के अलावा, सामाजिक, मानसिक और सांस्कृतिक ध्रुवीकरण भी हिंसात्मक रहे हैं, नतीजतन स्कूलों, बाजारों, सभा-कक्षों अथवा किसी समारोह के दौरान भी गोलीबारी चलाई जाती रही है। मौतें होती रही हैं। लोग बुरी तरह जख्मी भी होते रहे हैं। हमलावर की प्रवृत्तियों को मनोवैज्ञानिक अस्थिरता के आवरण में छिपाया जाता रहा है। अमरीका में पूर्व राष्ट्रपति को निशाना बनाया गया है, ऐसे हमले अभूतपूर्व नहीं हैं। अमरीका में चार पदासीन राष्ट्रपतियों-अब्राहम लिंकन, जेम्स गारफील्ड, विलियम मैककिनले, जॉन एफ. कैनेडी-की हत्या तक की जा चुकी है। पांच राष्ट्रपतियों-बिल क्लिंटन, रोनाल्ड रीगन, जेराल्ड फोर्ड, फ्रेंकलिन रुजवेल्ट, थियोडोर रुजवेल्ट-पर भी हमले किए जा चुके हैं। यह कैसा लोकतंत्र और 'दुनिया का दादा' देश है, जो दुनिया को लोकतंत्र और मानवाधिकारों के ज्ञान बांटता रहता है, लेकिन जहां 'बंदूक-संस्कृति' बिल्कुल सामान्य है। बंदूक बनाने वाले उद्योगपति इतने ताकतवर हैं कि न तो राष्ट्रपति बाइडेन कोई निर्णय ले पाए और न ही ट्रंप और उनकी पार्टी की सोच बंदूक-विरोधी है। जनवरी 6, 2021 की चेतावनी अमरीका कैसे भूल सकता है, जब ट्रंप-समर्थक भीड़ ने 'यूएस कैपिटल' (यूएस कांग्रेस) पर हमला किया था और अंदर घुस गई थी। उस पर क्या कानूनी कार्रवाई की गई, आज तक स्पष्ट नहीं है। वह अमरीकी लोकतंत्र और संसद पर सबसे भीषण प्रहार था। लोकतंत्र में भीड़ इतनी हिंसात्मक कैसे हो गई, जबकि उसके मानवाधिकार सुरक्षित हैं? हाल ही में अमरीका में 'राजनीतिक हिंसा' पर एक जनमत किया गया। आश्चर्य है कि 10 फीसदी लोगों ने जवाब ट्रंप के खिलाफ दिया कि ऐसे नेताओं को राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए ऐसा ही बल इस्तेमाल करना न्यायसंगत है। यह भी लोकतंत्र का एक हिस्सा है, लेकिन हिंसा न हो। बहरहाल अमरीका में ही नहीं, दुनिया के देशों में लोकतंत्र को जिंदा रखना है, तो चुनाव प्रचार का तरीका भी सभ्य होना चाहिए।

हमलावर को भी वहीं ढेर कर दिया गया। यह अमरीका ही नहीं, दुनिया के तमाम लोकतांत्रिक देशों के लिए एक गंभीर चेतावनी है। यह किसी भी लोकतंत्र में हो सकता है। कोई भी अतिवाद या उग्रवाद ऐसे हमले के लिए उकसा सकता है। इस पर गहन चिंतन-मनन, आत्ममंथन किया जाना चाहिए। अमरीका लोकतंत्र की जननी है। उसका लोकतंत्र प्राचीनतम है, लेकिन वहां बंदूक भी गोली-बिस्कुट और मूंगफली की तरह उपलब्ध है। औसतन हर हाथ में बंदूक, रिवॉल्वर है। अमरीका आत्म-रक्षा की दलीलें देता रहा है, लेकिन लोकतंत्र के साथ-साथ बंदूक-संस्कृति भी जारी है, यह विरोधाभास कैसे ढोया जा रहा है? लोकतंत्र में यह हत्यारा विरोधाभास भी मौजूद रहेगा, जो आने वाले किसी भी पल में, किसी और को, निशाना बनाया जा सकता है! इस सांस्कृतिक, सामाजिक और बेचैन गिरावट और पतन का अमरीकी नेताओं, राजनीतिक दलों और नागरिकों को लगातार विरोध करना चाहिए। ट्रंप पूर्व राष्ट्रपति तो हैं। उनकी सुरक्षा-व्यवस्था मौजूदा राष्ट्रपति जितनी ही होती है। रिपब्लिकन पार्टी ने उन्हें एक बार फिर राष्ट्रपति चुनाव का उम्मीदवार बनाया है। चुनाव इसी नवंबर में होंगे, लिहाजा अमरीका में चुनावी मौसम छाया है। इस घटना की जांच कर रही एफबीआई का मानना है कि यह ट्रंप की हत्या करने का हमला था।

कीमतों को नियंत्रित करने और मुद्रास्फीति को रोकने के लिए बफर स्टॉक जारी किया

कमी के समय कीमतों में कमी लाये सरकारी बफर स्टॉक

प्रियंका सौरभ

भारतीय खाद्य निगम द्वारा बनाए गए चावल और गेहूं के बफर स्टॉक प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान इन प्रमुख वस्तुओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा और मूल्य स्थिरता का समर्थन होता है। बफर स्टॉकिंग खाद्य पदार्थों की कीमतों में अत्यधिक अस्थिरता को रोकने का एक साधन हो सकता है, मुद्रा बाजार के मुकाबले आरबीआई के विदेशी मुद्रा भंडार के समान।

बफर स्टॉक आवश्यक वस्तुओं के भंडार हैं जो आपूर्ति और मांग में उतार-चढ़ाव को प्रबंधित करने के लिए बनाए रखे जाते हैं। भारत में चौथी पंचवर्षीय योजना (1969-74) के दौरान शुरू किए गए, वे खाद्य सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और मूल्य नियंत्रण सुनिश्चित करते हैं। उदाहरण के लिए, भारतीय खाद्य निगम द्वारा बनाए गए चावल और गेहूं के बफर स्टॉक प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान इन प्रमुख वस्तुओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा और मूल्य स्थिरता का समर्थन होता है। बफर स्टॉकिंग खाद्य पदार्थों की कीमतों में अत्यधिक अस्थिरता को रोकने का एक साधन हो सकता है, मुद्रा बाजार के मुकाबले आरबीआई के विदेशी मुद्रा भंडार के समान। जलवायु-संचालित मूल्य अस्थिरता में वृद्धि – जो अंततः न तो उपभोक्ताओं और न ही उत्पादकों की मदद करती है – केवल खाद्य बफर नीति के मामले को मजबूत करती है।

आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों को स्थिर करने के लिए कमी की अवधि के दौरान बफर स्टॉक जारी किया जाता है, जिससे उपलब्धता सुनिश्चित होती है। उदाहरण के लिए: 2019 में प्याज की कीमत में उछाल के दौरान, भारत सरकार ने आपूर्ति बढ़ाने, कीमतों को नियंत्रित करने और मुद्रास्फीति को रोकने के लिए बफर स्टॉक जारी किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्याज सस्ती बनी रहे। बफर स्टॉक बनाए रखने से सरकार आपूर्ति की कमी के दौरान कीमतों में भारी वृद्धि को रोक सकती है, जिससे बाजार की मांग संतुलित रहती है। उदाहरण के लिए: 2020 में, सरकार ने कीमतों को स्थिर करने के लिए बफर स्टॉक से दालें जारी कीं, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि उत्पादन में कमी के बावजूद दालें उपलब्ध और सस्ती बनी रहें।

बफर स्टॉक बाजार में आपूर्ति और मांग की गतिशीलता को विनियमित करके अत्यधिक मूल्य में उतार-चढ़ाव को सुचारू बनाने में मदद करते हैं। बफर स्टॉक कमी के दौरान बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर मुद्रास्फीति को कम करते हैं, जिससे कीमतों में

अत्यधिक वृद्धि को रोका जा सकता है। उदाहरण के लिए: 2021 में गेहूं और चावल के स्टॉक को जारी करने से भारत में बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद मिली, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि मुख्य अनाज उपभोक्ताओं के लिए किफ़ायती रहे. बफर स्टॉक स्थिर बाजार सुनिश्चित करके, अधिक आपूर्ति के कारण कीमतों में गिरावट को रोककर और मूल्य स्थिरता प्रदान करके किसानों की सहायता करते हैं। उदाहरण के लिए: सरकार ने अतिरिक्त दूध खरीदा और किसानों के लिए दूध की कीमतों को स्थिर करने के लिए इसे स्किम्ड मिल्क पाउडर (एसएमपी) में बदल दिया, जिससे अधिक आपूर्ति के कारण वित्तीय नुकसान को रोका जा सके।

बफर स्टॉक आवश्यक खाद्य पदार्थों तक निरंतर पहुँच सुनिश्चित करते हैं, जिससे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए महामारी के दौरान, गरीबों के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने, भूख को रोकने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया गया था। बफर स्टॉक कीमतों को स्थिर करके और बाजार संतुलन बनाए रखकर आर्थिक झटकों को रोकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिरता में योगदान मिलता है। उदाहरण के लिए: महाराष्ट्र में 2018 के सूखे के दौरान बफर स्टॉक जारी करने से कीमतों को स्थिर करने और आर्थिक स्थिरता का समर्थन करने में मदद मिली, जिससे क्षेत्र में आर्थिक संकट को रोका जा सका।

बफर स्टॉक जलवायु-प्रेरित आपूर्ति झटकों के कारण खाद्य उपलब्धता पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करते हैं, जिससे जलवायु लचीलापन बढ़ता है। अधिशेष वर्षों के दौरान अतिरिक्त उपज की खरीद करके, बफर स्टॉक किसानों को एक स्थिर बाजार और उचित मूल्य प्रदान करता है, जिससे ग्रामीण आर्थिक स्थिरता में योगदान मिलता है। बफर स्टॉक कल्याणकारी योजनाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करते हैं, जो कमज़ोर आबादी का समर्थन करके और सामाजिक स्थिरता बनाए रखकर आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए: प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेवाई) ने कोविड-19 महामारी के दौरान गरीबों को भोजन वितरित करने के लिए बफर स्टॉक पर भरोसा किया, जिससे भूख और अभाव को रोककर आर्थिक और सामाजिक स्थिरता सुनिश्चित हुई। चूंकि भारत जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ती अस्थिरता और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, इसलिए सरकार द्वारा नियंत्रित बफर स्टॉक कीमतों को स्थिर करने और आर्थिक स्थिरता का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करके, मुद्रास्फीति को कम करके और कल्याणकारी योजनाओं का समर्थन करके, ये बफर स्टॉक खाद्य सुरक्षा और आर्थिक लचीलापन बढ़ाएंगे, सतत विकास को बढ़ावा देंगे और भविष्य में एक स्थिर आर्थिक वातावरण को बढ़ावा देंगे। चावल और गेहूं जैसी पारंपरिक वस्तुओं से परे बफर स्टॉक में विविधता लाने की आवश्यकता है ताकि तिलहन, सब्जियां और दूध पाउडर जैसी आवश्यक वस्तुओं की व्यापक रेंज को शामिल किया जा सके। इस विस्तार से विभिन्न क्षेत्रों में मूल्य वृद्धि और आपूर्ति झटकों को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिलेगी। अधिशेष उत्पादन के वर्षों के दौरान खरीद रणनीतियों में सुधार करना महत्वपूर्ण है।

दृष्टि कोण

सतत विकास के लिए जनसंख्या नियंत्रण

भारत में जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास दशकों से चल रहे है। सरकार द्वारा संचालित अभियान के देश ने दो स्वरूप देखे है। आपात काल के दौरान जनसंख्या नियंत्रण नीति जोर जबरदस्ती पर आधारित थी। लेकिन आपात काल की समाप्ति के बाद इसको नकार दिया गया। शेष अवधि में प्रचार व सहायता के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण का अभियान चलाया गया। लेकिन इसका भी पर्यांप्त लाभ नहीं हुआ। जाहिर है कि यह विषय दशकों पुराना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस विषय को उठाया था। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार इस संबन्ध में एक मसौदा लेकर आईं है। जनसंख्या नियंत्रण के दोनों स्वरूपों की विफलता सामने है। इसलिए नए रास्ते की तलाश का प्रयास किया जा रहा है। अर्थात यह विषय पुराना है, लेकिन समाधान का तरीका अवश्य नया है। आपात काल के दौरान ही ब्यालीसवां संविधान संशोधन पारित किया गया था। इसके द्वारा समवता सूची में जनसंख्या नियंत्रण एवं परिवार नियोजन विषय जोड़ा गया था। ऐसे में वेंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा इससे संबंधित अधिनियम बनाना असंवैधानिक नहीं हो सकता। करीब दो दशक पहले भी सविधान समीक्षा आयोग ने वेंद्र सरकार को इससे संबंधित निर्देश दिया था। कहा गया कि वह जनसंख्या नियंत्रण संबंधी कानून बनाएं। इस समय दर्ज याचिका में सविधान समीक्षा योग की सिफारिशों को लागू करने की बात कही गईं है। जनसंख्या नियंत्रण का संबन्ध विकास व संसाधनों से भी जुड़ा है। संसाधनों की भी एक सीमा होती है। जनसंख्या व संसाधनों के बीच एक संतुलन होना चाहिए। अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि से संसाधनों का अभाव होने लगता है। सबसे पहले इसका प्रतिवूल प्रभाव गरीबों पर पड़ता है। जिस वस्तु का अभाव होता है, उसकी कीमत बढ़ जाती है। धनी वर्ग उनको खरीद सकता है। जबकि गरीबों को मुसीबत का सामना करना पड़ता है। जनसंख्या की अनियंत्रित वृद्धि विकास में बाधक भी साबित हो सकती है। इससे संसाधनों पर दवाब बढ़ता है। लोगों के जीवन स्तर में कमी आती है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष चिता का विषय है। भारत के पास विश्व मात्र दो प्रतिशत भूभाग है। जबकि यहां पर विश्व की बीस प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। भारत की जनसंख्या वर्तमान में एक सौ पैंतीस करोड़ है। संयुत्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट के अनुसार अगले वुछ वर्षों में चीन भी भारत से पीछे हो जाएगा। जनसंख्या के मामले में भारत सबसे बड़ा देश हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण के लिए विधि आयोग के परामर्श से जो कदम उठाए हैं। जिस गति से जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुरूप संसाधनों की व्यवस्था संभव ही नहीं है। राजनीतिक दल चाहे जो दावा करें, वह संसाधनों का सृजन नहीं कर सकते। जो लोग जनसंख्या नियंत्रण का विरोध करते है, उन्हें संसाधनों की पर्यांप्त उपलब्धता के संबन्ध में भी विचार व्यत्त करना चाहिए। जनसंख्या का स्थिरीकरण होना अपरिहार्य है। उन्नीस सौ इक्यानबे से इक्यावन के बीच उत्तर प्रदेश की आबादी एक सौ बीस प्रतिशत बढ़ी थी। इसके बाद भी उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुईं है। तब प्रदेश की आबादी तेरह करोड़ थी। अब यह बढ़कर पच्चीस करोड़ से अधिक हो गईं है। यह माना गया कि बढ़ती जनसंख्या से विकास व संसाधनों से संबंधित अनेक प्रकार की समस्याएं उतपन्न हो रही हैं। इस आधार पर समाज में दो वर्ग है। एक वर्ग ने स्वेच्छा से जनसंख्या नियंत्रण को स्वीकार किया है। यह उनका समाज व देश के प्रति सहयोग भी है। दूसरे वर्ग ने जनसंख्या नियंत्रण को स्वीकार नहीं किया है। इस कारण संसाधनों पर दबाब बढ़ रहा है। सहयोग करने वालों को प्रोत्साहन देना चाहिए। जबकि ऐसा ना करने वालों को उन्हीं सीमित संसाधनों से सुविधा प्रदान करते रहने का औचित्य नहीं है। जनसंख्या नियंत्रण परिवार नियोजन से अलग है। सरकारी संसाधन और सुविधाएं उन लोगों को उपलब्ध हो जो जनसंख्या नियंत्रण में सहयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश जनसंख्या की नईं नीति का विमोचन किया। इस नईं नीति में जनसंख्या नियंत्रण में सहयोग करने वालों को प्रोत्साहन देने का प्रावधान है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या समाज में व्याप्त असमानता समेत प्रमुख समस्याओं का मूल है। समुन्नत समाज की स्थापना के लिए जनसंख्या नियंत्रण प्राथमिक शर्त है। इस विश्व जनसंख्या दिवस पर बढ़ती जनसंख्या से बढ़ती समस्याओं के प्रति स्वयं व समाज को जागरूक करने का प्रण लेना चाहिए। नईं नीति में जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए जागरूकता प्रयासों के ाम में स्वूलों में हेल्थ क्लब बनाये जाने का अभिनव प्रस्ताव है। डिजिटल हेल्थ मिशन की भावनाओं के अनुरूप नवजातों, किशोरों और वृद्धजनों की डिजिटल ट्रैकिग की व्यवस्था की भी बात है। सभी समुदायों में जन सांख्यकीय संतुलन बनाये रखने, उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं की सहज उपलब्धता, समुचित पोषण पर भी जोर दिया गया। इसे राज्य विधि आयोग ने तैयार किया है। दो ही बच्चे अच्छे का वर्षो पुराने नारे का भाव भी है। जिनके दो ही बच्चे है, उन्हें प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है।

कुछ अलग

साहिब फुर्सत में हैं...

पता नहीं बड़े साहिब ने मौसम फिल्म के लिए गुलज़ार का लिखा गाना 'दिल ढूंढता है फिर वही फुर्सत के रात दिन' सुना है या नहीं, पर बड़े साहिब जब भी किसी मीटिंग की अध्यक्षता करते हैं, फुर्सत के रात दिन जीने लगते हैं। आधे घंटे की मीटिंग जब चार घंटे बाद खत्म होती है तो बाहर निकलने पर बाकी अफसरों पर हमदर्द का चुस्ती-फुर्ती लाने वाला टॉनिक सिंकारा भी काम नहीं करता। बेचारे निढाल से निकलते हैं मीटिंगों से। कुछ मरे-मरे से, कुछ बुझे-बुझे से। पर बड़े साहिब हैं कि उतने ही तरोताज़ा होते हैं जितना मीटिंग में जाने से पहले होते हैं। बिल्कुल ताज़ा गुलाब की तरह। ख़ुशबू भले न हो, पर बड़े साहिब खिले-खिले तो वैसे ही लगते हैं। यूं भी आदमी चाहे बड़ा उम्र के हिसाब से हो या पद के हिसाब से, जैसे-जैसे बड़ा होने लगता है उसकी ख़ुशबू गायब होती जाती है। मीटिंगें कई तरह की होती हैं। भारत सरकार के मंत्रालयों को मुख्यतः तीन भागों में बांटा जा सकता है-बड़ा मंत्रालय, मझोला मंत्रालय और छोटा मंत्रालय। प्रायः जितना बड़ा मंत्रालय होता है, उसके बड़े बाबू के पास मीटिंग में बैठने की फुर्सत उतनी कम होती है। छोटा मंत्रालय मतलब फुर्सत ही फुर्सत। छोटे मंत्रालय के बड़े बाबू और बड़े मंत्रालय के बड़े बाबू की तनख्वाह भले एक जैसी होती है, पर फर्क होता है तो केवल फुर्सत का। छोटे मंत्रालय के बड़े बाबू के पास फुर्सत ही फुर्सत होती है। भारत सरकार ने इन मीटिंग के लिए बाक़ायदा कान्फ्रेंस हॉल बनवाए हैं। ग़ौर से देखने पर पता चलता है कि यह कान्फ्रेंस हॉल पुराने ज़माने की चौपाल का आधुनिकतम रूप हैं। बस फर्क है तो इतना कि अब चौपाल चारदीवारों के अंदर जमती है, सामने बड़ी सी टीवी स्क्रीन होती है जिसमें ज़रूरत पडने पर या जब बड़े बाबू किसी को गरियाना चाहें, फील्ड के अधिकारियों या दफ्तरों को भी घसीटा जा सकता है। मीटिंग हो तो चाय-पानी भी होगा ही। इससे कैंटीन वाली रोज़ी-रोटी भी चलती है और स्टाफ का गला भी तर रहता है। ऐसे ही छोटे मंत्रालय के एक बाबू हैं, झुन्नू लाल जी। हैं तो संयुक्त सचिव के पद पर, पर आजकल उनके पास एक ऐसी क्षेत्रीय परिषद का अतिरिक्त कार्यभार भी है, जिसमें सचिव का पद है। यह पद भारत सरकार के मंत्रालय के संयुक्त सचिव और सचिव के बीच का है अर्थात अतिरिक्त सचिव स्तर का है। पर जब यह अतिरिक्त सचिव नाम का जीव क्षेत्रीय परिषद में विराजमान होता है तो उसे सचिव के नाम से पुकारा जाता है। ऐसे में झुन्नू लाल का सचिव होना, उनमें कुछ और बड़ा होने का एहसास भर देता है। दिल्ली में गर्मी बढने पर झुन्नू लाल जी अपनी पीठ की घमौरियां ठीक करने के लिए शिलांग जैसी जगह में ठंडी हवा खाने चले आते हैं। पर उनका आना क्षेत्रीय परिषद के बाबुओं को बहुत खलता है। अब खले भी क्यों न? भला यह भी कोई बात हुई कि भारत सरकार अपने कर्मियों से पांच दिन सुबह नौ बजे से साढ़े पांच तक काम लेती है और बदले में फाईव डे वीक देती है। पर झुन्नू लाल जी हमेशा दिल्ली से वीरवार को सुबह साढ़े चार बजे उड़ते हैं और शिलांग में ग्यारह बजे से पहले दफ्तर पहुंच जाते हैं। आते ही आदेश निकलवा देते हैं कि चूंकि बड़े बाबू आए हैं, इस बार शनिवार और इतवार को भी ठीक नौ बजे दफ्तर लगेगा। क्षेत्रीय परिषद के बेचारे बाबू मन मसोस कर रह जाते हैं। दफ्तर में बड़े बाबू झन्नाते हैं और घर में बीवी कहती है, 'अजी! आप तो अपना बिस्तर भी दफ्तर में ही लगा लो। आप तो इस हफ्ते पीवीआर ले जाने वाले थे न। मुन्ने की स्कूल की यूनिफॉर्म भी लेनी थी। आप लोग क्या अपने बॉस से इतना भी नहीं कह सकते कि छुट्टी वाले दिन दफ्तर कैसा?' अब बेचारा बाबू अपनी बीवी से कैसे कहे कि बल एकता में होता है। एक अकेला बोलेगा तो बड़ा बाबू बोलेगा, 'क्या बोलता है।

देश दुनीया से

नए बजट में रोजगार सृजन पर हो जोर

19 जून को एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों को आगामी बजट के बारे में अपना दृष्टिकोण देने के लिए आमंत्रित किया गया। सरकारी हलकों में लोग 8.2 प्रतिशत की उच्च जीडीपी वृद्धि, 9.9 प्रतिशत की तेजी से बढ़ते विनिर्माण, अप्रैल 2024 में सीपीआई मुद्रास्फीति के 4.82 प्रतिशत के साथ मुद्रास्फीति में कमी, डब्ल्यूपीआई में कमी, राजकोषीय घाटे के बजट अनुमानों से कम रहने, रुपए में पिछले वित वर्ष की तुलना में 1.4 फीसदी की बहुत कम दर गिरावट, और भुगतान संतुलन (बीओपी) में चालू खाता घाटा जीडीपी के बमुश्किल 0.7 फीसदी रहने को लेकर उत्साहित हैं।

हालांकि अंतरिम बजट फरवरी 2024 में वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया था, अब जुलाई 2024 में पूर्ण केंद्रीय बजट 2024-25 पेश करने का समय आ गया है। इसके लिए विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श बैठकों के साथ तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं, जिसमें अर्थशास्त्री, किसान, एनबीएफसी, बाजार विशेषज्ञ और कई अन्य शामिल हैं। 19 जून को एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों को आगामी बजट के बारे में अपना दृष्टिकोण देने के लिए आमंत्रित किया गया। सरकारी हलकों में लोग 8.2 प्रतिशत की उच्च जीडीपी वृद्धि, 9.9 प्रतिशत की तेजी से बढ़ते विनिर्माण, अप्रैल 2024 में सीपीआई मुद्रास्फीति के 4.82 प्रतिशत के साथ मुद्रास्फीति में कमी, डब्ल्यूपीआई में कमी, राजकोषीय घाटे के बजट अनुमानों से कम रहने, रुपए में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 1.4 फीसदी की बहुत कम दर गिरावट, और भुगतान संतुलन (बीओपी) में चालू खाता घाटा जीडीपी के बमुश्किल 0.7 फीसदी रहने को लेकर उत्साहित हैं। 2023-24 में, जून के पहले सप्ताह तक विदेशी मुद्रा भंडार 665.8 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, और जश्न मनाने के लिए बहुत से कारण हैं। अब मोदी 3.0 के सामने चुनौती इस वृद्धि को बनाए रखने के साथ-साथ मुद्रास्फीति, विशेष रूप से खाद्य मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के मुद्दे को हल करने की है। बैठक में मौजूद सभी अर्थशास्त्री सरकार की राजकोषीय समझदारी, विनिर्माण संवृद्धि और भुगतान घाटे जैसे मुद्दों से निपटने की सराहना कर रहे थे। राजकोषीय समझदारी से कभी समझौता नहीं किया जा सकता। मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने और विकास को बढ़ावा देने के लिए यह एक पूर्व शर्त है। कम राजकोषीय घाटे को जारी रखने के बारे में आम सहमति थी। चूंकि सरकार ने पहले ही अंतरिम बजट 2024-25 में जीडीपी के 5.1 फीसदी के राजकोषीय घाटे का प्रस्ताव रखा है, इसलिए सरकार के लिए इससे विचलित होने का कोई कारण नहीं है। लेकिन कुछ ऐसी जरूरतें हैं जिनके कारण सरकार को पूंजीगत व्यय, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे के लिए अधिक धन की आवश्यकता हो सकती है। प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च, पीएलआई योजना, विशेष रूप से नए क्षेत्रों में उसके विस्तार के साथ। इसके अलावा, बेरोजगारी की समस्या, विशेष रूप से शिक्षित युवा बेरोजगारी को संबोधित करने की भी तत्काल आवश्यकता है। रोबोट टैक्स का सुझाव : बैठक में मौजूद कुछ अर्थशास्त्रियों ने नई तकनीक, खास तौर पर एआई के कारण नौकरियों के नुकसान के बारे में चिंता जताई और अन्य लोगों ने भी उनसे सहमति जताई। एक राय यह थी कि हालांकि, हम नई तकनीक के उपयोग से बच नहीं सकते और न ही बचना चाहिए, लेकिन चूंकि इससे नौकरियां जा रही हैं, इसलिए जो लोग लाभ उठा रहे हैं, उन्हें नुकसान उठाने वालों, यानी वे कर्मचारी जिनकी नौकरियां जा रही हैं या नौकरी के बाजार में नए प्रवेशकर्ता, जिन्हें नौकरी नहीं मिल रही है, की भरपाई करनी चाहिए। रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए, यह सुझाव दिया गया कि रोबोट टैक्स की संभावना तलाशी जा सकती है, जिसका उपयोग विस्थापित श्रमिकों को पुनः कौशल प्रदान करने और पुनर्वासित करने के लिए किया जा सकता है। यह ध्यान रखना दिलचस्प हो सकता है कि हाल ही में आईएमएफ द्वारा एक पेपर में उल्लेख किया गया है कि यद्यपि एआई समग्र रोजगार और मजदूरी को बढ़ावा दे सकता है, लेकिन आईएमएफ ने यह भी कहा है कि 'श्रम बल के बड़े हिस्से को लंबे समय तक काम से बाहर रख सकता है, जो एक दर्दनाक संक्रमण की ओर इंगित करता है।' उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के पहले चरण की सफलता से उत्साहित, जिसने एपीआई, रक्षा उपकरण, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स और कई अन्य में चीन पर निर्भरता को कम करने में मदद की, अर्थशास्त्रियों ने पीएलआई के अगले चरण को सूक्ष्म, लघु और मध्यम क्षेत्र (एमएसएमई) के इर्द-गिर्द डिजाइन करने का समर्थन किया। रोजगार सृजन पर नजर रखते हुए, अधिक संतुलित औद्योगिक विकास के लिए पीएलआई योजना को एमएसएमई के लिए डिजाइन करना महत्वपूर्ण है।

आप का नजरीया

किसानों, युवा व आमजन हितैषी हो बजट

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को दिए किसानमजदूरों को लेकर यह सुझाव आरएसएस से संबंधित संस्थाओं जैसे भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ, लघु उदृोग भारती और स्वदेशी जागरण मंच के प्रातिनिधियों एवं अन्य पदाधिकारियों ने पिछले दो सप्ताह के दौरान वित्त मंत्री को अपने सुझाव सौंपे हैं। वित्त मंत्रालय बजट से पूर्व विभिन्न क्षेत्रों एवं संगठनों के साथ चर्चा कर रहा है। केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अब पूरी तरह से स्वरिय है। नईं सरकार के गठन के बाद लोकसभा और राज्यसभा के पहले सत्र की भी शुरुआत हो चुकी है। अब सभी की निगाहें आगामी वेंद्रीय बजट पर है। जो 23 जुलाईं को पेश किया जाना है। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण विभिन्न संगठनों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक कर रही हैं, इसी सिलसिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबंद्ध संगठनों ने वित्त मंत्री को वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में पीएम किसान सम्मान निधि के मद में आंबटन बढ़ाने सहित कईं अन्य सुझाव दिए हैं। इन संगठनों ने मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए व्यक्तिगत आय कर घटाने और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्राणाली में भी सुधार का अनुरोध किया है। इन संगठनों का यह भी कहना है कि आर्टिफिशियल इटेंलिजेंस (एआईं) के कारण नौकरी गंवाने वाले लोगों को अधिक हुनरमंद बनाने के लिए बजट में रोबोट का भी प्रावधान किया जाए। आरएसएस से संबंद्ध संस्थाओं जैसे भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ, लघु उदृोग भारती और स्वदेशी जागरण मंच के प्रातिनिधियों एवं अन्य पदाधिकारियों ने पिछले दो सप्ताह में वित्त मंत्री को अपने सुझाव सौंपे हैं। स्वदेशी जागरण मंच के अश्विनी महाजन ने अन्य अर्थशास्त्रियों के साथ वित्त मंत्री से 19 जून को मुलाकात में प्रोत्साहन संबंध योजना (पीएलआईं) की सराहना की लेकिन यह भी कहा कि इनमें अब सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उदृामों (एमएसएमईं) को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कदम से देश में रोजगार के अधिक अवसर तैयार करने में मदद मिलेगी। महाजन ने कहा कि आगामी रक्षा गलियारों में एमएसएमईं क्षेत्रों के लिए भी जगह होनी चाहिए। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के सदस्यों ने कईं अन्य व्यापार संघों के साथ वित्त मंत्री को अलग से ज्ञापन सौंपा। बीएमएस ने मनरेगा में कार्यं दिवसों की संख्या साल में बढ़ाकर 200 दिन करने का सुझाव दिया बीएमएस ने कहा कि इस रोजगार योजना में वृषि एवं संबंद्ध गतिविधियों में होने वाले कार्यं भी शामिल किए जाने चाहिए। बीएमएस ने पुरानी पेंशन योजना बहाल करने का भी सुझाव दिया और वेंद्र सरकार में सभी रिक्त स्थानों को भरने के लिए तेजी से कदम उठाने की मांग की। भारतीय किसान संघ ने पीएम किसान निधि की राशि 6000 रु. से बढ़ाने की मांग भी की। यह योजना वर्ष 2018-19 में शुरू की गईं थी, जिसका मकसद किसानों को बढ़ती लागत से निपटने व मदद करना है। संघ ने कहा कि वेंद्र का सिचाईं के मद से आबंटन बढ़ाने के साथ जलवायु परिवर्तन के दुष्प्राभावों को देखते हुए नदियों को जोड़ने के लिए भी रकम का प्रावधान करना चाहिए।

आम आदमी पार्टी का एलान

हरियाणा में अकेले लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

दिल्ली व पंजाब मॉडल के नाम पर हरियाणा में मांगेंगे वोट

चंडीगढ़ (हिंस)। आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ने का एलान कर दिया है। विधानसभा चुनाव में पार्टी किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सुशील गुप्ता, पार्टी के नेता संजय सिंह तथा संदीप पाठक ने गुरुवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में हरियाणा की चुनावी रणनीति का एलान किया। हालही में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने इंडिया गठबंधन के तहत हरियाणा में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। हरियाणा की दस लोकसभा सीटों में से नौ पर कांग्रेस तो एक पर आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ी थी। आप के प्रदेशाध्यक्ष सुशील गुप्ता ने कुरुक्षेत्र से चुनाव लड़ा था। पार्टी ने आज हरियाणा के लिए नारा दिया है कि *बदलेंगे हरियाणा का हाल, अब लाएंगे केजरीवाल।* लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस पहले ही गठबंधन समाप्त होने का एलान कर चुकी है। गुरुवार को आम आदमी पार्टी के नेताओं ने भी अपने बल पर चुनाव लड़ने का एलान करके साफ कर दिया कि इंडिया गठबंधन अब समाप्त हो चुका है। पंजाब सीएम भगवंत मान ने कहा कि पार्टी पूरी ताकत से हरियाणा में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। दिल्ली और पंजाब में हमारी सरकार है। हरियाणा का आधा हिस्सा पंजाब तो आधा हरियाणा के साथ लगता है। खास बात यह है कि आप सुप्रीमो हरियाणा से संबंध रखते हैं। भगवंत मान ने कहा मुख्यमंत्री होने के नाते मेरा भी फर्ज बनता है, जहां भी मेरी ड्यूटी लगेगी वहां मैं जाऊंगा। आधा हरियाणा तो पंजाबी बोलता है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि हरियाणा में पिछले दस साल से डबल इंजन की सरकार चल रही है। हरियाणा फिरौती उद्योग बना हुआ है। आंदोलन में किसानों को कुचला जा रहा है। हरियाणा की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी की है। यहां जवान, किसान, व्यापारी व कर्मचारी कोई भी सरकार से खुश नहीं है। आप के महासचिव संदीप पाठक ने कहा कि हरियाणा में हम हर सीट पर चुनाव लड़ेंगे। हम हरियाणा में अकेले सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जनता बदलाव चाह रही है। हमारा फर्ज है कि जनता की उम्मीदों को पूरा करें। संदीप पाठक ने कहा कि पार्टी ने जो दिल्ली व पंजाब में काम किया है उसी के बल पर हरियाणा में चुनाव लड़ा जाएगा। पंजाब सरकार ने दो साल में 43 हजार नौकरियां दी हैं। उन्होंने कहा कि अब तक प्रदेश के साढ़े छह हजार गांवों में जनसभाएं हो चुकी हैं। 20 जुलाई को केजरीवाल की गारंटी को लांच किया जाएगा। बहुत जल्दी विधानसभा अध्यक्षों की नियुक्ति करेंगी।

बिहार के दरभंगा में कोसी की उपधारा में पलटी नाव आठ लोग थे सवार

पटना (हिंस)। बिहार में दरभंगा जिले के कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड के गोलमा डीह से गोलमा घाट जाने के दौरान कोसी नदी की उपधारा में आज एक नाव पलट गई। नाव पर आठ लोग और दो मोटरसाइकिलें थीं। स्थानीय गोताखोर की मदद से बाइक निकाल ली गई हैं लेकिन नाव पर सवार व्यक्तियों का कोई सुराग नहीं लग सका है। नाव पर सवार लोगों में गोलमा निवासी बिंदेश्वरी राय के 23 वर्षीय पुत्र राज कुमार के बारे में जानकारी सार्वजनिक की गई है। बाकी लोगों की पहचान नहीं हो पाई है। बीडीओ अशोक कुमार जिज्ञासु, तिलकेश्वर थानाध्यक्ष शैलेश कुमार घटना स्थल पर पहुंच गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में गंगा दशहरा के दिन पटना में भी नाव पलटी थी, जिसमें 17 लोग सवार थे। इस घटना में एक ही परिवार के 17 लोग डूब गए थे। इनमें से एसडीआरएफ की टीम ने 13 लोगों को बचा लिया था।

तकनीकी शिक्षा के लिए अब छात्र-छात्राओं को नहीं जाना होगा बाहर : प्रो. एनके शर्मा

कानपुर (हिंस)। तकनीकी शिक्षा के लिए अब छात्र-छात्राओं को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। कम फीस में प्रवेश लेकर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में करियर बनाने की सुविधा जनपद के एकमात्र कृषि इंजीनियरिंग महाविद्यालय अपने छात्र-छात्राओं को स्कॉलरशिप के साथ प्रदान कर रहा है। यह जानकारी गुरुवार को चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर से संचालित इटावा स्थित कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉक्टर एनके शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि यूपी कैटेट के माध्यम से परीक्षा पास करने वाले छात्र छात्राएं अब बीटेक, एमटेक कोर्स में कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा संबद्ध डॉ. भीम राव अंबेडकर कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, इटावा में ऑनलाइन काउंसलिंग में (सीएसए कानपुर) का चयन कर इस कॉलेज में चल रहे कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि यूपी कैटेट का रिजल्ट आ चुका है। ध्यान रहे कि प्रवेश के लिए प्रथम काउंसलिंग का रजिस्ट्रेशन आगामी 21 से 23 जुलाई तक ही होगा। डा. शर्मा ने बताया कि हॉस्टल के साथ अन्य सभी जरूरी सुविधाओं से परिपूर्ण जनपद इटावा का यह कृषि इंजीनियरिंग कालेज आने वाले सभी नए छात्रों के प्रवेश के लिए खुला है। जिसमें अभ्यर्थी एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में यूपी कैटेट एवं जेई मेन्स के माध्यम से ईसी, सीएस, एमई में प्रवेश लेकर अपना कैरियर और भविष्य बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों को किसी अन्य समस्या के समाधान के लिए कॉलेज से संपर्क कर सकते हैं।

मानव सेवा और प्रकृति संरक्षण के लिए तत्पर रहें : विधानसभा अध्यक्ष देवनानी

हिंदुस्तान स्काउट गाइड ने देवनानी का आभार जताया

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का हिन्दुस्तान स्काउट गाइड संगठन ने आभार जताया है। संगठन के पदाधिकारियों ने गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष देवनानी से मुलाकात की। पदाधिकारियों ने देवनानी को बताया कि राजस्थान की कल्याणकारी राज्य सरकार द्वारा संस्था के लिए अनुदान नियम बनाने के साथ चार करोड़ रुपए अनुदान दिए जाने की घोषणा की है। संगठन ने इसके लिए अध्यक्ष देवनानी और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि स्काउट गाइड सेवाभावी संगठन है। युवा पीढ़ी में राष्ट्र प्रथम की भावना व उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए संगठन को निरन्तर कार्य करना होगा। संगठन युवा पीढ़ी में नैतिक मूल्यों, स्वावलंबन के लिए रचनात्मक गतिविधियों का भी संचालन करें। युवाओं के विकास के लिए स्काउट गाइड को राष्ट्रव्यापी आंदोलन बताते हुए कहा कि युवा पीढ़ी में संस्कार निर्माण के लिए संगठन को कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्काउट गाइड मानव सेवा और प्रकृति संरक्षण के लिए तत्पर रहें। सभी मिल-जुलकर राष्ट्र और समाज के विकास के लिए कार्य करें। जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए भी तैयार रहे। इस अवसर पर राज्य सचिव नरेंद्र औदिच्य, राज्य संगठन आयुक्त रिपुदमन सिंह गिल, राज्य संगठन आयुक्त गाइड कविता जैन, सहायक सचिव समन्वयक विजय दाधीच, सहायक राज्य संगठन आयुक्त मनोज कुमार त्रिवेदी सहित स्काउट गाइड उपस्थित थे।

अलग राज्य की मांग करने वाले चर्च व अंग्रेजों की विचारधारा से प्रभावित : सांसद रावत

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर के सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा कि आज कुछ लोग अलग राज्य की मांग को लेकर मानगढ़ धाम गए हैं, वे अंग्रेजों व चर्च के विचारों से प्रेरित हैं। वहां जाकर भ्रामक वातावरण बना रहे हैं। वहां जाने वाले एक संगठन के लोग हैं, जो केवल कट्टरता व जातिवाद का जहर फैलाने के राजनीतिक उद्देश्य से वहां गए हैं। डॉ. रावत गुरुवार को यहां जिला परिषद सभागार में पत्रकारों से मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं कि आदिवासी हिंदू नहीं है। समाज और क्षेत्र को ऐसे तत्वों से सावधान रहना चाहिए। सामाजिक समरसता को खराब करने के लिए इस तरह की बातें नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज तो वहां गया ही नहीं। उन्होंने कहा कि मानगढ़ धाम तो आदिदेव, महादेव, आदिशक्ति का स्थान है, जहां जनजाति समाज अपनी सनातन परंपरा के अनुसार अपने गुरु के आदेश पर पूर्णिमा के दिन घी लेकर हवन करने के लिए गया था। इस जनजाति समाज पर 1913 में अंग्रेजों ने भारी गोलाबारी कर नरसंहार किया था। आज जो लोग अलग राज्य की मांग को लेकर वहां गए हैं। वे उन्हीं नरसंहार करने वालों की राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की राज्य सरकार ने स्थानीय जनजाति समाज व दक्षिणी राजस्थान के लिए लाभकारी योजनाएं दी हैं। उसकी बौखलाहट में यह तत्व वहां जा कर वैचारिक प्रदूषण फैला रहे हैं। सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा कि मिशनरियों के प्रभाव में जनजाति समाज सूक्ष्म रूप से ही षड्यंत्र का शिकार हुआ है। सन 1950 में जब संविधान बना उस समय अनुसूचित जाति (एससी) की परिभाषा को लेकर राष्ट्रपति की ओर से जो नोटिफिकेशन जारी हुआ था, उसमें स्पष्ट था कि जो हिंदू समाज का व्यक्ति है, वही अनुसूचित जाति का कहलाएगा। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए भी यही प्रावधान लागू होना था। उसमें भी हिंदू संस्कृति मानने वाले को ही आदिवासी मानते हुए जनजाति आरक्षण का लाभ मिलना था। लेकिन, ईसाई मिशनरियों के प्रभाव में जनजाति समाज के साथ दोहरा मापदंड अपनाया गया। उन्होंने साफ कहा कि ईसाई मिशनरियों के प्रलोभन व दबाव में जनजाति के जो लोग हिंदू परंपरा व आस्था को छोड़ ईसाई या इस्लाम धर्म अपना चुके हैं, अल्पसंख्यक समुदाय में जा चुके हैं, चूंकि अब वे आदिवासी नहीं रहे तो उन्हें जनजाति आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए, लेकिन वे आज भी जनजाति आरक्षण का लाभ ले रहे हैं, जो कि असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक, अमानवीय और अनैतिक है। उन्होंने कहा कि इस तरह के धर्मांतरित हुए पांच प्रतिशत लोग ही जनजाति वर्ग के आरक्षण के असली पात्र 95 प्रतिशत लोगों का हक छीन रहे हैं। ऐसे अपात्र लोगों को चिन्हित करने के लिए देश के 22 राज्यों में आंदोलन चल रहा है, जिसे डी-लिस्टिंग आंदोलन कहा जा रहा है। इस डी-लिस्टिंग आंदोलन का विरोध करने वाले चर्च से प्रेरित विचारधारा से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि झाबुआ, झारखंड आदि राज्यों में यह लोग चिन्हित हो चुके हैं। अब यही लोग दक्षिणी राजस्थान में भी घुसपैठ कर चुके हैं। अब वे चर्च से प्रभावित स्थानीय संगठन के जरिए मानगढ़ धाम से सामाजिक एकता व समरसता को विखंडित करने के प्रयासों में जुटे हैं। राष्ट्र हित व सनातन संस्कृति को अक्षुण्ण रखने के लिए ऐसे तत्वों से सावधान रहने की आवश्यकता है।

सुषमा गुप्ता हरियाणा बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव नियुक्त

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने फरीदाबाद निवासी सुषमा गुप्ता को बाल कल्याण परिषद का मानद महासचिव नियुक्त किया है। गुरुवार को राजभवन से इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए। सुषमा गुप्ता का कार्यकाल तीन वर्ष के लिए होगा। इसके बाद ही सुषमा गुप्ता ने गुरुवार को सेक्टर-16 स्थित मुख्यालय में हरियाणा बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव का पदभार भी संभाल लिया। फरीदाबादवासी सुषमा गुप्ता पिछले लंबे समय से सामाजिक कार्यों से जुड़ी हुई हैं। सुषमा गुप्ता के पास हरियाणा रेडक्रास में वाइस चेयरपर्सन का भी प्रभार है। राज्यपाल ने उन्हें बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। सुषमा गुप्ता नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड हरियाणा स्टेट ब्रांच फरीदाबाद से भी जुड़ी हुई हैं, जहां पर नेत्रबाधित बच्चों को शिक्षा, प्रशिक्षण, स्वरोजगार, पुन स्थापना, खेलकूद क्रिकेट, आदि में पारंगत किया जा रहा है। पदभार संभालने के बाद सुषमा गुप्ता ने इस जिम्मेदारी को सौंपने के लिए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार जताया।

पाक विस्थापितों को शीघ्र नागरिकता देने के लिए जिलों में विशेष नागरिकता कैंप आयोजित करेंगे : चिकित्सा मंत्री

जयपुर (हिंस)। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह ने गुरुवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि जिला स्तर पर हर महीने विशेष नागरिकता कैम्प आयोजित कर पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। इस संबंध में जिला कलेक्टरों को निर्देश दे दिए गए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का गृह मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पाक विस्थापितों को जल्द से जल्द नागरिकता देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश के अल्पसंख्यक विस्थापितों को देश की नागरिकता देने के लिए नियम एवं प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। इसके अलावा नागरिकता प्रमाणपत्र देने के लिए जिला कलेक्टर को अधिकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्ष 2016 से वर्ष 2024 तक 2 हजार 329 पाक विस्थापितों को नागरिकता प्रदान की गई है। राज्य में इस समय कुल 1 हजार 566 आवेदन लंबित हैं। इनमें से 300 में इंटेलीजेंस ब्यूरो की रिपोर्ट आनी शेष है। उन्होंने कहा कि जिलों में विशेष नागरिकता कैम्प आयोजित पात्र आवेदकों को नागरिकता प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। इससे पहले विधायक रविन्द्र सिंह भाटी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जिला बाड़मेर, जैसलमेर एवं बालोतरा में विगत 05 वर्षों में पाक विस्थापितों को नागरिकता प्रदान करने संबंधी कुल 373 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 84 आवेदन निस्तारित किए गए तथा 289 आवेदन लंबित हैं।

घंटे-घड़ियाल, शंखनाद और मंत्रोचार के साथ जानकी के हुए जगन्नाथ

अलवर (हिंस)। अलवर में भगवान जगन्नाथ जी का मेला चल रहा है। बुधवार देर रात भगवान जगन्नाथ जी ने जानकी मैया को वरमाला पहनाई और इसी के साथ विवाह संपन्न हुआ। घंटे-घड़ियाल, शंखनाद और मन्त्रोचारण के साथ विवाह संपन्न हुआ। हजारों श्रद्धालु इस विवाह के साक्षी बने। मंदिर परिसर में भगवान जगन्नाथ और जानकी मैया के जयकारे गूंज उठे। इस वरमाला को देखने के लिए श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। शहर में हर साल जगन्नाथ जी रथ यात्रा महोत्सव मनाया जाता है। यहां 280 साल पुराना भगवान जगन्नाथ का मंदिर है। जहां करीब 160 साल से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जा रही है। हर साल भगवान जगन्नाथ का जानकी मैया से विवाह होता है। मंदिर के पुजारी व अन्य लोगों के द्वारा प्रतिमाओं को माला पहनाकर विवाह संपन्न कराया जाता है। रूपबास स्थित मंदिर परिसर में तीन दिन तक लगातार मेला भरता है। 19 जुलाई को भगवान जगन्नाथ जानकी मैया को लेकर रथ यात्रा में सवार होकर सुभाष चौक स्थित मंदिर पहुंचेंगे।

हरियाणा में कांग्रेस विधायक राव दान सिंह के आवास पर ईडी का छापा

चंडीगढ़ (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों ने महेंद्रगढ़ (हरियाणा) से कांग्रेस विधायक राव दान सिंह के आवास तथा अन्य प्रतिष्ठानों पर गुरुवार सुबह छापा मारा है। ईडी की टीमें राव दान सिंह के शंकर कॉलोनी स्थित भाई के घर और रेवाड़ी रोड स्थित फॉर्म हाउस पर पहुंचीं। दोनों जगह सुरक्षा बल तैनात किया गया है। किसी को आने-जाने नहीं दिया जा रहा। राव दान सिंह ने लोकसभा चुनाव में भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से चुनाव लड़ा था। भाजपा उम्मीदवार चौधरी धर्मबीर ने उन्हें करीब 41 हजार वोटों से हराया। उल्लेखनीय है कि राव दान सिंह के बेटे व परिवार के अन्य सदस्यों के आदर्श क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी घोटाले से तार जुड़े थे। रेवाड़ी के अलावा महेंद्रगढ़ और नारनौल में जो जमीनें खरीदी गई, उसमें एक कंपनी का नाम सामने आ चुका है। हरियाणा में कांग्रेस विधायक राव दान सिंह के आवास पर ईडी का छापा चंडीगढ़ (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों ने महेंद्रगढ़ (हरियाणा) से कांग्रेस विधायक राव दान सिंह के आवास तथा अन्य प्रतिष्ठानों पर गुरुवार सुबह छापा मारा है। ईडी की टीमें राव दान सिंह के शंकर कॉलोनी स्थित भाई के घर और रेवाड़ी रोड स्थित फॉर्म हाउस पर पहुंचीं। दोनों जगह सुरक्षा बल तैनात किया गया है। किसी को आने-जाने नहीं दिया जा रहा। राव दान सिंह ने लोकसभा चुनाव में भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से चुनाव लड़ा था। भाजपा उम्मीदवार चौधरी धर्मबीर ने उन्हें करीब 41 हजार वोटों से हराया। उल्लेखनीय है कि राव दान सिंह के बेटे व परिवार के अन्य सदस्यों के आदर्श क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी घोटाले से तार जुड़े थे।

पूर्वी चंपारण में शौचालय का सेंट्रिंग खोल रहे चार मजदूरों की मौत, तीन गंभीर

पूर्वी चंपारण (हिंस)। बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के लहन ढ़ाका में गुरुवार को हादसे में चार मजदूरों की मौत हो गई। मृतक सभी एक निर्माणधीन मकान में बने शौचालय की टंकी का सेंट्रिंग खोल रहे थे। नव निर्मित टॉयलेट टैंक का सेंट्रिंग खोलने के दौरान मलबे में दब जाने से सात लोग बेहोश हो गए। सभी को आनन फानन में इलाज के लिए ढाका अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान चार को मृत घोषित कर दिया, वहीं तीन अन्य गंभीर का इलाज चलरहा है। इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई है। सिकराना एसडीएम ने हमारे पूर्वी चंपारण संवाददाता से बातचीत में बताया कि बेहोशी की हालत में चारों मजदूरों को ढाका अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। जहां इनकी मौत हो गई। घटना ढाका नगर परिषद क्षेत्र के लहन ढाका की है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या ढाका अस्पताल पहुंचे स्थानीय लोगों ने इलाज में लापरवाही के कारण मौत होने का आरोप लगाते हुए अस्पताल में जमकर तोड़फोड़ की है। आक्रोशित लोगों के हंगामा को देखकर चिकित्सक और कर्मी फरार हो गए। हालांकि लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और इन लोगों ने ढाका अस्पताल के उपाधीक्षक के निजी क्लिनिक पर भी जमकर बवाल काटा। जिसकी सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस से भी भिड़ गए और पुलिस पर भी पत्थरबाजी करने लगे, जिसके बाद पुलिस को लाठी चार्ज करना पड़ा। घटना के बारे बताया गया कि लहन ढाका में महावीर ठाकुर के निर्माणाधीन घर के शौचालय का सेंट्रिंग खोलने के दौरान यह हादसा हुआ। मृतकों की शिनाख्त अब्दुल बकर, हुसैन अंसारी, वसी अहमद अंसारी और योगेंद्र यादव के रूप में हुई है।

बब्बर खालसा का आतंकी गिरफ्तार, हथियार बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) की अमृतसर टीम ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के मॉड्यूल को ध्वस्त किया है। एसएसओसी ने टारगेट किलिंग की योजना बना रहे एक आतंकी को गिरफ्तार कर उसके पास से हथियार भी बरामद किए हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि गुरदासपुर के घनी के बांगर निवासी लखबीर सिंह के बेटे विक्रमजीत सिंह उर्फ विक्की को गिरफ्तार किया गया है। इस आतंकी विक्की के हैंडलर यूएसए निवासी आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासियां और इटली निवासी आतंकी रेशम सिंह हैं। जिनके निर्देश पर वह वारदातों को अंजाम देने की योजना बना रहा था। पुलिस ने विक्रमजीत सिंह उर्फ विक्की के पास से एक पिस्तौल, दो मैगजीन, नौ जिंदा गोलियां और एक गोली का खोल बरामद किया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल विक्की अमृतसर के ग्रामीण इलाके में पनाह लिए था। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ कर रही है और बीकेआई की प्लानिंग के बारे में जानकारी जुटा रही है। इस बीच अमृतसर पुलिस ने बताया कि हैप्पी पासियां मूल रूप से अमृतसर के रामदास का रहने वाला है। फिलहाल वह अमेरिका में बसा हुआ है। वह पाकिस्तान में रहने वाले हरविंदर रिंदा और शमशेर से सीधे जुड़ा हुआ है। उसका मुख्य उद्देश्य पंजाब में हथियार सप्लाई करना और युवाओं को कट्टरपंथी बनाना है।

सीबीआई ने नीट-यूजी पेपर लीक केस में पटना एम्स के तीन मेडिकल छात्रों को हिरासत में लिया

पटना (हिंस)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) और अंडर ग्रेजुएट (यूजी) पेपर लीक केस में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पटना के तीन मेडिकल छात्रों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। उनके मोबाइल फोन और लैपटॉप संबंधित एजेंसी ने जब्त कर लिए हैं। वर्ष 2021 बैच के इन छात्रों को बुधवार रात उनके छात्रावास से हिरासत में लिया गया। इसके बाद 14 घंटे तक अज्ञात स्थान पर पूछताछ की गई। संबंधित छात्रों के कमरों को सील कर दिया गया है। इससे पहले मंगलवार को पटना और हजारीबाग (झारखंड) से दो प्रमुख आरोपियों पंकज कुमार उर्फ आदित्य और राजू सिंह को पूछताछ के बाद हिरासत में लिया गया था। सीबीआई सूत्रों ने बताया कि एम्स के छात्रों ने हजारीबाग से प्राप्त प्रश्नों को हल करने में नालंदा के संजीव कुमार सिंह उर्फ लूटन मुखिया के नेतृत्व वाले *सॉल्वर गैंग* के सदस्यों की मदद की थी। झारखंड के बोकारो निवासी पंकज कुमार को 5 मई को आयोजित परीक्षा से पहले हजारीबाग में एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) के ट्रंक से प्रश्नपत्र चुराने के आरोप में पटना में गिरफ्तार किया गया था। पंकज उर्फ आदित्य नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी), जमशेदपुर से 2017 बैच का सिविल इंजीनियर है। दूसरे आरोपी राजू सिंह को कटकमदाग थाना अंतर्गत हजारीबाग के रामनगर इलाके में स्थित एक गेस्ट हाउस से गिरफ्तार किया गया। उस पर प्रश्नपत्र लीक करने में पंकज की मदद करने का आरोप है। राजू सिंह पेपर लीक केस में झारखंड से गिरफ्तार किया गया चौथा व्यक्ति है। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह गुरुवार को सीबीआई ने बिहार के नालंदा जिले के रहने वाले मुख्य आरोपियों में से एक राकेश रंजन उर्फ रॉकी को गिरफ्तार किया था। रॉकी पर गिरोह के लिए पटना और रांची में सॉल्वर की व्यवस्था करना का आरोप है। वह संजीव कुमार सिंह उर्फ लूटन मुखिया उर्फ संजीव मुखिया के नेतृत्व वाले गिरोह के सरगना का भरोसेमंद सदस्य बताया जाता है। रॉकी की गिरफ्तारी से पहले सीबीआई ने उसके नालंदा स्थित आवास पर छापा मारा था, लेकिन वह नहीं मिला। पिछले सप्ताह शुक्रवार को पटना हाई कोर्ट ने 13 आरोपियों को हिरासत में लेने की अनुमति दी थी, जिन्हें मामला केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंपे जाने से पहले पटना पुलिस ने गिरफ्तार किया था। अब तक सीबीआई ने पेपर लीक मामले में सात राज्यों से 42 लोगों को गिरफ्तार किया है।

बड़ी राहत, बैंक–बिल्डरों की ओर से घर खरीदारों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक

नई दिल्ली ।

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली–एनसीआर के उन मकान खरीदारों को बड़ी राहत दी है जिन्हें अब तब बिल्डर से उनके फ्लैट का कब्जा नहीं मिला है। अदालत ने निर्देश दिया है कि ईएमआई भुगतान को लेकर बैंक, वित्तीय संस्थान या बिल्डर घर खरीदारों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेंगे और उनसे संबंधित चेक बाउंस के किसी भी मामले पर विचार नहीं किया जाएगा। शीर्ष अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने कई मकान खरीदारों की वे याचिकाएं खारिज कर दी थीं जिनमें बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश देने की मांग की गई थी कि जब तक रीयल एस्टेट डेवलपर्स अपने फ्लैटों का कब्जा नहीं दे देते तब तक समान मासिक किस्त (ईएमआई) नहीं वसूला जाए।

उच्च न्यायालय के आदेश से असंतुष्ट मकान खरीदारों ने शीर्ष अदालत का रुख किया था, जहां अदालत इस मुद्दे पर गौर करने के लिए सहमत हो गई और संबंधित पक्षों से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने 14 मार्च, 2023 के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर याचिकाओं पर केंद्र, बैंकों और अन्य को नोटिस जारी किए हैं।

इस बीच, सभी मामलों में अंतरिम रोक रहेगी। इस दौरान घर खरीदारों के खिलाफ बैंकों/वित्तीय संस्थानों या बिल्डरों/डेवलपर्स की ओर से परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के तहत शिकायत सहित कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। ज्यादातर वित्तीय संस्थानों/बैंकों ने जवाबी हलफनामा दाखिल कर दिया है। जिन लोगों ने अभी तक अपना जवाबी हलफनामा दाखिल नहीं किया है, उन्हें दो सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्य करने का अंतिम अवसर दिया गया है। यह मामला शीर्ष अदालत के समक्ष 27 सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। मकान खरीदारों ने शीर्ष न्यायालय में दायर अपनी याचिका में कहा है कि वे आरबीआई के दिशानिर्देशों का उल्लंघन कर बैंकों की ओर से सीधे बिल्डर के खाते में अवैध तरीके से कर्ज देने के के पीड़ित हैं। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में इस आधार पर रिट याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया था ।

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण बैंकों के डिजिटलीकरण के लिए नाबार्ड व पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच समझौता, मिलेगी ये सुविधा

नई दिल्ली । वित्तीय समावेशन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और ऑनलाइन पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। यह एमओयू जनसुरक्षा पोर्टल के माध्यम से एक मंच से जुड़े सभी 43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की जन सुरक्षा योजनाओं के तहत नामांकन और दावा निपटान की प्रक्रिया को सुचारू बनाएगा। नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी के वी और उप प्रबंध निदेशक डॉ. अजय कुमार सूद सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के प्रमुखों के साथ बैठक के दौरान इस परियोजना की शुरुआत की। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय अंतर को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण साबित होगा। इसके जरिए जन सुरक्षा योजनाओं के निर्बाध नामांकन और कुशल निपटान के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को डिजिटल समाधान मुहैया कराया जाएगा जिससे वे सशक्त बनेंगे। इसके उद्घाटन के मौके शाजी के वी ने कहा कि, इस पहल की शुरुआत ग्रामीण भारत में डिजिटल वित्तीय सेवाओं को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। यह क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए सुलभ कुशल डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की नाबार्ड की प्रतिबद्धता का प्रतीक है ताकि वित्तीय स्थिरता बनाई जा सके और समावेशी विकास को बढ़ावा दिया जा सके। परियोजना का लक्ष्य एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के माध्यम से जनसुरक्षा पोर्टल को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कोर बैंकिंग सॉल्यूशंस (सीबीएस) के साथ जोड़ने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, बैंकों और उनके ग्राहकों दोनों के लिए परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करना है। जनसुरक्षा पोर्टल, भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) की ओर से शुरू की गई एक पहल है। यह प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के लिए डिजिटल नामांकन और दावा निपटान की सुविधा प्रदान करती है।

प्लैटिनम व अन्य धातुएं मिलाकर हो रहा सोने का आयात, सरकार को सालाना 63,375 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली । प्लैटिनम और दूसरी धातुएं मिलाकर, इनने बनाई गई वस्तुओं को कम आयात शुल्क चुकाकर सोना आयात किया जा रहा है। इन अलॉय उत्पादों को गलाकर सोना निकाला जा रहा है और उसे डिस्काउंट पर बेचा जा रहा है।

इस शिकायत के साथ ऑल इंडिया जूलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) ने वाणिज्य मंत्रालय को पत्र लिखकर मांग की है कि जिन चीजों में 5 फीसदी से अधिक सोना मिला हो, उनके लिए अलग आयात शुल्क तय किए जाएं। कीमती धातुओं के ड्यूटी स्ट्रक्चर को लेकर थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव ने भी चिंता जताई है। एआईजेजीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हाल के दिनों में प्लैटनिम अलॉय का आयात काफी बढ़ा है, जिसमें असल में 88 प्रतिशत तक गोल्ड मिला होता है। गोल्ड पर आयात शुल्क 15 फीसदी है, लेकिन ऐसे अलॉय पर 5 फीसदी है। इसमें टेक्निकल तौर पर हो सकता है कि कुछ भी गलत न हो, लेकिन यह टैरिफ रेगुलेशंस को किनारे करने वाली बात है। इससे सरकार को राजस्व का नुकसान भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसके जरिए इंपोर्टेड गोल्ड की कॉस्ट आर्टिफिशियल तरीके से घटाई जाती है और इसका बुरा असर डोमेस्टिक गोल्ड इंडस्ट्री पर पड़ रहा है क्योंकि ऐसी हरकत करने वाले बुलियन डीलर रिफाइंड गोल्ड बेचते समय डिस्काउंट दे रहे हैं।

2030 तक हैदराबाद जीसीसी में 3,600 करोड़ रुपये का निवेश करेगी सनोफी हेल्थकेयर

नई दिल्ली। फ्रांसीसी दवा कंपनी सनोफी हेल्थकेयर इंडिया अगले छह साल में हैदराबाद में अपने ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर (जीसीसी) में लगभग 3,600 करोड़ रुपये (40 करोड़ यूरो) का निवेश करेगी।कंपनी ने बताया कि इसमें 2025 तक लगभग 900 करोड़ रुपये (10 करोड़ यूरो) का निवेश किया जाएगा। उसकी योजना 2026 तक 1,600 अतिरिक्त नौकरियां सृजित करने की भी है। सनोफी में बिजनेस ऑपरेशंस की कार्यकारी उपाध्यक्ष मैडेलीन रोच ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हैदराबाद जीसीसी का विस्तार कर अगले दो साल में कर्मचारियों की संख्या लगभग 2,600 की जाएगी, जिससे यह सनोफी के चार वैश्विक केंद्रों में सबसे बड़ा हो जाएगा। हैदराबाद में 2019 में स्थापित जीसीसी में फिलहाल 1,000 कर्मचारी हैं। सनोफी के अन्य जीसीसी बुडापेस्ट, मलेशिया और कोलंबिया में हैं।

देश में जीवन बीमा की पहुंच महज 3.2 प्रतिशत लोगों तक, ग्रामीण इलाकों में दायरा बढ़ाने से जुड़े कदम उठाने जरूरी

नई दिल्ली ।

जीवन बीमा व्यक्तियों और उनके परिवारों को विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में वर्तमान में जीवन बीमा से आच्छादित लोगों का प्रतिशत वर्तमान में 3.2 प्रतिशत है। नियामक ने अतीत में भी जीवन बीमा सुरक्षा के मामले में 70–80 प्रतिशत की कमी की बात कही है। यह वास्तविक कवरेज और व्यक्तियों और उनके आश्रितों को पर्याप्त वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक राशि के बीच बड़े अंतर को इंगित करता है। इस बार के केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से देश के जीवन बीमा क्षेत्र को काफी उम्मीदें है।

श्रीराम लाइफ इंश्योरेंश कंपनी के एमडी और सीईओ कैस्परस क्रॉमहॉट के अनुसार भारत में जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा जीवन बीमा से वंचित है। विश्व बैंक संग्रह संकेतकों के अनुसार देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। ये ग्रामीण क्षेत्र आय के स्तर, कमाई के पैटर्न, सेवाओं के वितरण और अपनी जरूरतों के मामले में अपने शहरी समकक्षों से अलग हैं। यह भी देखा गया है कि अधिकांश वाणिज्यिक वित्तीय संस्थानों का बड़ा ध्यान शहरी क्षेत्र की ओर है, क्योंकि यहां रहने वाले जागरूकता के मामले में आगे हैं, उच्च और अधिक स्थिर आय के साथ ही उन तक पहुंच भी आसानी से सुगम है।

ग्रामीण आबादी को जीवन बीमा के दायरे में लाना काफी महत्वपूर्ण दूसरी ओर ग्रामीण आबादी के परिवारों में यह देखा गया है कि कम आय के स्तर के कारण परिवार के लिए रोटी कमाने वाले को खो देने की स्थिति में उन्हें वित्तीय तबाही का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उनकी स्थिति बहुत कमजोर हो जाती है।

इस आबादी को जीवन बीमा सुरक्षा के तहत लाना काफी महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस सेगमेंट में आवश्यक समाधान और दृष्टिकोण शहरी क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक तरीकों से भिन्न हैं। क्रॉमहॉट के अनुसार कंपनियों को शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बीमा से जुड़े प्रमुख कारकों को समझकर दोनों क्षेत्रों में प्रमुख जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक समाधान संचालित दृष्टिकोण की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। बीते कुछ वर्षों में इस दिशा में काफी सुधार किए गए हैं।

आय का स्तर जीवन बीमा के लिहाज से एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। ग्रामीण बाजार के विकास के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक डिस्पोजेबल आय में लगातार वृद्धि है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) की एक रिपोर्ट में पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति व्यय 2011–12 से 2017–18 तक 17 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि महामारी के वर्षों के दौरान इसमें कमी आई, लेकिन पिछले वर्ष कुछ वर्षों में इसमें रिकवरी हुई है। कुछ रिपोर्ट्स में सुझाव दिया है कि शहरी क्षेत्र में भी मध्यम वर्ग का काफी वविस्तार हुआ है और हाल ही में आईएमए की रिपोर्ट के अनुसार उच्च आय वाले उपभोग वर्ग में 120 मिलियन से अधिक परिवार शामिल हैं।

क्रॉमहॉट का कहना है कि में यह स्वीकार करना चाहिए कि ग्रामीण ग्राहक की औसत आय शहरी ग्राहक के औसत से आधी होगी। यह दोनों खंडों में बीमा प्रीमियम भुगतान क्षमता को प्रभावित करता है। विचार करने के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण कारक आय की स्थिरता है। ग्रामीण परिवार, जो अक्सर कृषि या अनौपचारिक श्रम पर निर्भर होते हैं, अधिक वित्तीय बाधाओं का सामना कर सकते हैं और दीर्घकालिक बीमा कवरेज पर तत्काल जरूरतों को प्राथमिकता दे सकते हैं। ये अनिश्चितताएं इस क्षेत्र के लोगों के लिए जीवन बीमा में व्यवस्थित रूप से बचत करना चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं, लेकिन साथ ही इन क्षेत्रों में जीवन बीमा की आवश्यकता को भी बढ़ाती हैं। ग्रामीण परिवारों की विशिष्ट आवश्यकताओं और आय पैटर्न के अनुसार बने अभिनव बीमा समाधान, जैसे कि माइक्रोइंश्योरेंस और लचीले प्रीमियम विकल्प, पहुंच और सामर्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। शिक्षा और जागरूकता का स्तर बढ़ना भी बीमा क्षेत्र के विस्तार के लिए जरूरी शिक्षा और जागरूकता का स्तर भी जीवन बीमा को अपनाने पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। परंपरागत रूप से, शहरी क्षेत्रों को बेहतर शैक्षिक बुनियादी ढांचे से लाभ होता है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में वित्तीय साक्षरता और बीमा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ती है। हालांकि, इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच के साथ विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता के स्तर में उल्लेखनीय बदलाव आया है। देश के 50 प्रतिशत से अधिक लोग इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। 60 करोड़ से अधिक स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के साथ यह तय है कि देशभर में सूचना प्राद्योगिकी की पहुंच में काफी सुधार हुआ है। वितरण में आसानी एक अन्य महत्वपूर्ण कारक है जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बीमा सेवाओं की उपलब्धता और सुविधा को प्रभावित कर रहा है। बीमा प्रदाताओं, एजेंटों और शाखाओं के उच्च घनत्व के कारण शहरी परिवारों को पारंपरिक रूप से लाभ हुआ है, जिससे बीमा उत्पादों और सेवाओं तक आसान पहुंच की सुविधा मिलती है। इसके विपरीत, ग्रामीण क्षेत्रों को भौगोलिक दूरस्थता, सीमित बुनियादी ढांचे और बीमा एजेंटों की कमी से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, दोनों सेगमेंट में डिजिटल रूप से सक्षम बिक्री को प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि हमने देखा है कि अधिकांश ग्राहक अब भी बीमा पॉलिसी खरीदते समय एक विक्रेता (एजेंट) के साथ बातचीत करना पसंद करते हैं, लेकिन मोबाइल प्लेटफॉर्म, डिजिटल भुगतान आदि जैसे डिजिटल माध्यमों से खरीद प्रक्रिया आसान और सहज हुई है। विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में ग्राहक ग्राहकों को सेवा प्रदान करना अधिक कुशल और तेज हो गया है।

एलएंडटी फाइनेंस ने जारी किए पहली तिमाही के नतीजे, कमाया 686 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड मुनाफा

L&T Finance

नई दिल्ली।

भारत की लीडिंग नॉन–बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों में शामिल, एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड ने 30 जून 2024 को वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 686 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड मुनाफा हासिल किया। कंपनी द्वारा कमाया गया यह मुनाफा सालाना आधार पर 29 फीसदी अधिक है। 14,839 करोड़ रुपये का तिमाही रिटेल डिस्बर्समेंट हुआ दर्ज कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, 30 जून, 2024 को समाप्त पहली तिमाही के लिए 14,839 करोड़ रुपये का तिमाही रिटेल डिस्बर्समेंट दर्ज किया है, जो सालाना आधार पर 33 फीसदी अधिक है। कंपनी के रिटेल बुक का आकार जून तिमाही के दौरान 84,444 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 31 फीसदी की ग्रोथ दिखाता है।

कंपनी का कस्टमर फेसिंग प्लैनेट ऐप अब तक 1 करोड़ से अधिक डाउनलोड हो चुके है। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों से 12 लाख से अधिक डाउनलोड शामिल हैं। एलएंडटी फाइनेंस के शेयरों ने कितना दिया मुनाफा 18 जुलाई को दोपहर 12 बजे तक एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड के शेयर 185.26 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों ने पिछले छह महीने में निवेशकों को 10.40 प्रतिशत का मुनाफा दिया है। वहीं, बात करें पिछले एक साल की तो यह कंपनी अब तक 10.40 प्रतिशत का रिटर्न दे चुकी है।

भारत में जल्द लॉन्च होगी लेम्बोर्गिनी यूआरयूएस एसई

नई दिल्ली । भारत में लेम्बोर्गिनी यूआरयूएस एसई जल्द लॉन्च होने वाली है। यह गाड़ी 9 अगस्त को नई दिल्ली में लॉन्च की जाएगी। लेम्बोर्गिनी यूआरयूएस में 4.0–लीटर, ट्विन–टर्बोचार्ज्ड वी8 इंजन दिया गया है, जिसे प्लग–इन हाइब्रिड सिस्टम के साथ जोड़ा गया है, जो 800 एचपी अधिकतम पावर और 950 एनएम मैक्स टॉर्क जेनरेट करता है। इसमें 25.9केडब्ल्यूएच लिथियम–आयन बैटरी पैक भी है। लेम्बोर्गिनी दावा करती है कि इसे केवल इलेक्ट्रिक पावर का उपयोग करके 60 किमी तक चलाया जा सकता है। इसमें ऑल–व्हील–ड्राइव सिस्टम है। इसके हाइब्रिड पावर को देखते हुए एसई की इनसे ज्यादा होने वाली है। भारत में लेम्बोर्गिनी यूआरयूएस एसई का मुकाबला बीएमडब्ल्यू एक्सएम, ऑडी आरएसक्यू 8, लोटस एलेट्रे, पोर्श कैयेन जीटीएस और एस्टन डीबीएक्स 707 से हो सकता है।

भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण होगी फिन टेक की भूमिका : दिलीप चिनॉय

नई दिल्ली।

दिल्ली में दूसरे अंतर्राष्ट्रीय फिनटेक महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को सम्मानित भी किया गया। भारत को पांच ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने में फिनटेक कंपनियों की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है।भारत वेब 3 एसोसिएशन के चेयरपर्सन दिलीप चिनॉय ने कहा कि पूरे देश में बैंकिंग और वित्तीय सेक्टर के विस्तार के साथ पिछले कई साल से फिनटेक कंपनियों का भी विकास हुआ है। यूपीआई (यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस) भी एक तरह की फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) है। फिनटेक कंपनियों में लगभग 25 से 30 प्रतिशत तक ग्रोथ हुआ है। उन्होंने बताया कि फिनटेक कंपनियों के रेगुलेशन को लेकर कुछ चुनौतियां हैं। इनसे निपटने के लिए ये कंपनियां खुद का नियामक संगठन बनाना चाह रही हैं। बहुत सारी कंपनियां अब फिनटेक में निवेश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत वेब3 एसोसिएशन में करीब एक हजार कंपनियां हैं। इनमें से 30 प्रतिशत यानी लगभग 300 फिनटेक में निवेश कर रही हैं। भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने में फिनटेक के योगदान के बारे में पूछे जाने पर फिक्की के पूर्व महासचिव ने कहा कि फिनटेक और वेब थ्री इकोसिस्टम देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यदि वेब थ्री को बढ़ावा दिया जाएगा तो यह 2030 तक देश की अर्थव्यवस्था में 1.1 ट्रिलियन डॉलर का योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आगामी बजट में उपभोग और विनिर्माण पर ध्यान दिया जाएगा। एक तरह से रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा पर फोकस होगा।

एलआईसी के शेयर में बंपर तेजी, एक साल में दिया करीब 80 प्रतिशत का रिटर्न

मुंबई।

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एलआईसी) के शेयर में बीते एक वर्ष में बंपर 78 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। शेयर में तेजी की वजह सरकारी शेयरों की तरफ निवेशकों के रुझान और कंपनी के प्रदर्शन को माना जा रहा है। शेयर की कीमत 12: 30 बजे 1,101 रुपये थी, जो कि 18 जुलाई, 2023 को 620 रुपये थी। एलआईसी का प्रदर्शन बीते एक वर्ष में काफी अच्छा रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की आय 8.46 लाख करोड़ रुपये रही, जो कि वित्त वर्ष 2022-23 में 7.84 लाख करोड़ रुपये थी।

LIC
योगक्षेमं वहाम्यहम्
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

इस दौरान कंपनी का मुनाफा 35,997 करोड़ रुपये से बढ़कर 40,885 करोड़ रुपये हो गया। अन्य इंश्योरेंस सेक्टर के शेयरों की बात करें तो एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस ने करीब दो प्रतिशत का नकारात्मक रिटर्न दिया है। बीते एक वर्ष में एचडीएफसी ग्रुप की लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के शेयर की कीमत 656 रुपये से घटकर 645 रुपये रह गई है। एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने पिछले एक वर्ष में करीब 24 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इसके शेयर का भाव 1628 रुपये है, जो कि 18 जुलाई, 2023 को 1,314 रुपये था।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के शेयर ने बीते एक वर्ष में 12 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। 18 जुलाई, 2024 को इसके शेयर का भाव 642 रुपये पर था जो कि 18 जुलाई, 2023 को 574 रुपये पर था। पिछले एक वर्ष में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के बेंचमार्क निफ्टी ने 24 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न निवेशकों को दिया है। इस वर्ष की शुरुआत से अब तक निफ्टी 13 प्रतिशत, बीते छह महीने में 14 प्रतिशत और पिछले एक महीने में 4.40 प्रतिशत का रिटर्न निवेशकों को दे चुका है।

सैमसंग के नए फोल्डेबल्स स्मार्टफोन के लिए 40 फीसदी से ज्यादा की हुई प्री-बुकिंग

नई दिल्ली।

सैमसंग ने छठी पीढ़ी के फोल्डेबल स्मार्टफोन गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 के लिए रिकॉर्ड प्री-ऑर्डर की घोषणा की है। पहले 24 घंटों में गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और जेड फ्लिप6 के लिए प्री-बुकिंग पिछली पीढ़ी की तुलना में 40फीसदी ज्यादा हुए। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के उपाध्यक्ष ने कहा कि हम भारत में अपने नए फोल्डेबल गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 के लिए यूजर्स की प्रतिक्रिया से खुश हैं।

नए फोल्डेबल स्मार्टफोन के लिए प्री–ऑर्डर में 1.4 गुना वृद्धि बताती है कि भारत के यूजर नई तकनीक को सबसे पहले अपनाने वालों में से हैं। उन्होंने कहा नए फोल्डेबल स्मार्टफोन में गैलेक्सी एआई का अनुभव यूजर्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हैं। साथ ही गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 की सफलता हमें भारत में अपने प्रीमियम सेगमेंट नेतृत्व को मजबूत करने में मदद करेगी।

> **कंपनी के उपाध्यक्ष ने कहा-भारत के यूजर नई तकनीक को सबसे पहले अपनाने वाले**

भारतीय यूजर्स के लिए गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और जेड फ्लिप6 का निर्माण सैमसंग की नोएडा फैक्ट्री में किया जा रहा है। नए फोल्डेबल अब तक के सबसे पतले और हल्के गैलेक्सी जेड सीरीज डिवाइस हैं और सिमिट्रिकल डिजाइन के साथ आते हैं। गैलेक्सी जेड सीरीज भी बेहतर आर्मर एल्युमिनियम और कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस दो से लैस है, जो इसे अब तक की सबसे टिकाऊ गैलेक्सी जेड सीरीज बनाता है।

गैलेक्सी जेड फोल्ड6 में बड़ी स्क्रीन का इस्तेमाल करने और आपकी उत्पादकता को बढ़ाने के लिए एआई–संचालित सुविधाओं और उपकरणों की एक सीरीज दी है जिसमें नोट असिस्ट, कंपोजर, स्केच टू इमेज, इंटरप्रेटर, फोटो असिस्ट और इंस्टेंट स्लो–मो शामिल है। गैलेक्सी जेड फोल्ड6 की शुरुआती कीमत 164,999 रुपय इसमें 12जीबी+256जीबी) है, जबकि गैलेक्सी जेड फ्लिप6, 109,999 रुपए इसमें 12जीबी+256जीबी दी गई है।

गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 के अलावा सैमसंग ने एआई–इन्फ्यूज्ड गैलेक्सी इकोसिस्टम उत्पाद गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा गैलेक्सी वॉच7 और गैलेक्सी बड्स3 सीरीज भी लॉन्च की है जिनके प्री–ऑर्डर 10 जुलाई से शुरु हो चुके हैं। गैलेक्सी वॉच 7 की शुरुआती कीमत 29,999 रुपए और गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा की कीमत 59,999 रुपए है। कंपनी ने कहा कि सैमसंग के नए गैलेक्सी बड्स3 की कीमत 14,999 है, जबकि गैलेक्सी बड्स3प्रो की कीमत 19,999 रुपए रखी गई है।

पिछले कुछ समय से रहे बीमार, अब तैयारियों के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते एचएस प्रणय

नई दिल्ली ।

भारत का ओलंपिक में बैडमिंटन में प्रदर्शन सराहनीय रहा है और इससे हमेशा देश को पदक की उम्मीद रहती है। महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने रियो और टोक्यो में पदक जीते थे और इस बार में बैडमिंटन में पदक की आस रहेगी। पुरुष सिंगल्स वर्ग में चुनौती पेश करने वाले एचएस प्रणय पिछले कुछ समय से बीमार रहे जिसके कारण उन्हें लंबे समय तक खेल से दूर रहना पड़ा था। प्रणय अपने कोच तथा पूर्व खिलाड़ी आरएमवी गुरुसाईदत्त की देखरेख में खेल की गति को बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं।

चोट और बीमारियों से जूझते रहे प्रणय – प्रणय पिछले कुछ समय के लगातार बीमारियों की चपेट में रहे हैं। थॉमस कप विजेता की के इस अहम सदस्य को पेट की गंभीर बीमारी के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहना पड़ा था। इसके बाद पीठ की चोट ने उन्हें परेशान किया और फिर चिकनगुनिया के कारण उन्हें एक सप्ताह तक विश्राम करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप 2023 में कांस्य पदक जीतने के बाद प्रणय को दूसरी बार पेट की उस तरह की गंभीर बीमारी का सामना करना पड़ा जो उन्होंने अतीत में झेला था। यह बीमारी इतनी गंभीर थी कि वह कुछ भी खा नहीं पा रहे थे। इस बीमारी के कारण वह लगभग छह महीने तक खेल से दूर रहे। वह इसके बावजूद दो प्रतियोगिताओं के सेमीफाइनल और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे।

गुरुसाईदत्त ने कहा, ऑस्ट्रेलिया ओपन के बाद हमने जो तैयारियां शुरू की थी, वे सही रास्ते पर हैं, हम सही रास्ते पर है। इस यात्रा में प्रणय के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि भले ही वह संघर्ष कर रहा था लेकिन अभ्यास में कोई कोताही नहीं बरत रहा था और अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहा था। उसे मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा इसलिए को बनाये रखना आसान नहीं था। उन्होंने कहा, वह उस तरह का खिलाड़ी है जो बड़े मौकों पर दमदार प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। उसने पिछले तीन-चार वर्षों में कई बार ऐसा किया है। एक कोच के रूप में मुझे और राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद को उन पर भरोसा है। हम कुछ नया तरीका आजमाना चाहते थे। पिछले तीन-चार टूर्नामेंटों के आधार पर गोपी सर का मानना है कि उसे लंबी अवधि के मैच खेलने होंगे। हमने इस पहलू पर काम किया।

न्यूज ब्रीफ

ओलंपिक के लिए एथलेटिक्स की तैयारियों पर सबसे अधिक , धुड़सवारी पर हुआ सबसे कम खर्च

नई दिल्ली । 27 जुलाई से शुरु हो रहे पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ी पदक की उम्मीदों के साथ पहुंच रहे हैं। इस बार कुल 118 खिलाड़ी इन खेलों में भारत का प्रतिनिधित्वि करेंगे। इस बार खेल मंत्रालय ने भी पेरिस ओलंपिक की तैयारियों पर पहले से कई गुना अधिक रकम खर्च की है। एथलेटिक्स पर ही रिकॉर्ड 470 करोड़ रुपये खर्च किए हैं जबकि धुड़सवारी पर सबसे कम 95 लाख रुपये खर्च किये गये हैं। एथलेटिक्स के बाद दूसरे नंबर पर बैडमिंटन को सबसे ज्यादा रकम करीब 72.02 करोड़ रुपये मिले है। इसके बाद तीसरे स्थान पर मुक्केबाजी को 60.93 करोड़ रुपये और चौथे स्थान पर निशानेबाजी को 60.42 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं पिछली बार कांस्य जीतने वाली पुरुष हॉकी टीम को इस बार केंद्र सरकार ने 41.29 करोड़ रुपये दिए हैं जबकि तीरंदाजी को 39.18 करोड़ रुपये वह कुश्ती को 37.80 करोड़ रुपये और भारोत्तोलन को 26.98 करोड़ रुपये मिले है। इससे पहले हुए टोक्यो ओलंपिक में खेल मंत्रालय का बजट काफी कम था। तब भारत ने कुल सात पदक जीते थे। वहीं भारत को भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण दिलाया था। इस जीत के बाद से ही खेल मंत्रालय ने एथलेटिक्स की तैयारियों पर जमकर खर्च किया है। इस बार एथलेटिक्स पर करीब 96.08 करोड़ रुपये खर्च किए। यह किसी भी खेल को दी गयी सबसे अधिक राशि है। वहीं पिछली बार एथलेटिक्स को केवल 5.38 करोड़ रुपये मिले थे पर नीरज की जीत से उत्साहित खेल मंत्रालय ने एथलेटिक्स को 18 गुना ज्यादा रकम दे दी।

जय शाह बनाये जा सकते हैं आईसीसी के अगले चेयरमैन

कोलंबो । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का यहां शुक्रवार से चार दिवसीय वार्षिक सम्मेलन

शुरु होगा। इसमें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चेयरमैन बनने की संभावनाएं हैं। ये कहा जा रहा है कि शाह न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह संस्था के अगले प्रमुख बन सकते हैं। इस बैठक में अमेरिका में टी20 विश्व कप मैचों की मेजबानी में दो करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के नुकसान पर भी बात होगी। आईसीसी की सदस्यता, एसोसिएट सदस्यों की बैठक की रिपोर्ट और आईसीसी विकास पुरस्कार प्रस्तुति पर चर्चा के साथ-साथ आईसीसी के नए बाहरी लेखा परीक्षक की नियुक्ति पर भी इस बैठक में बात होगी। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पाकिस्तान नहीं जाना का भी मामला इसमें उठेगा। आईसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि आईसीसी में सभी की मुख्य रूप से रुचि इस बात में है कि शाह संस्था की कमान कब संभालेंगे। बीसीसीआई सचिव के रूप में अभी उनका कार्यकाल एक साल शेष है जिसके बाद संविधान के अनुसार भारतीय बोर्ड में उनका ब्रेक (कूलिंग ऑफ पीरियड) 2025 में शुरू होगा। हालांकि अगर वह 2025 में आईसीसी चेयरमैन संभालते हैं तो बार्कले दिसंबर 2024 से दिसंबर 2026 तक दो साल का अपना तीसरा कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे। वहीं माना जा रहा है कि अगर बार्कले का मौजूदा कार्यकाल तीन साल का होता है तो शाह बीसीसीआई सचिव के रूप में छह साल पूरे कर सकते हैं और फिर 2025 में तीन साल के लिए आईसीसी चेयरमैन बन सकते हैं।

मेसी अब अगले माह ही मैदान पर वापसी कर सकेंगे

मियामी । अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के कप्तान लियोनेल मेसी को उम्मीद है कि वह जल्द ही मैदान में वापसी करने में सफल होंगे। मेसी को रविवार को कोपा अमेरिका टूर्नामेंट के फाइनल में कोलंबिया के खिलाफ मैच में चोट लग गयी थी। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इस कारण उनके पैर में काफी सूजन भी आ गया था। मेसी को उम्मीद है कि वह टखने की चोट से शीघ्र ही उबर जाएंगे। अर्जेंटीना की जीत के जश्न के दौरान भी मेसी दर्द से परेशान दिखे। अब उनकी चोट की गंभीरता का पता मेडिकल जांच की रिपोर्ट से होगा। आमतौर पर टखने की चोट के कम से कम तीन सप्ताह की अवधि का समय लगता है। इससे माना जा रहा है वह अब अगले माह ही मैदान में उतरेंगे। मेसी ने कहा, 'मैं ठीक हूं और मुझे उम्मीद है कि मैं जल्द ही फिर से मैदान पर वह खेलते हुए नजर आउंगा। साथ ही कहा कि कोप अमेरिका में जीत का लक्ष्य हासिल करने से वह उत्साहित है। अर्जेंटीना की जीत के जश्न के दौरान भी मेसी दर्द से परेशान दिखे। अब उनकी चोट की गंभीरता का पता मेडिकल जांच की रिपोर्ट से होगा। आमतौर पर टखने की चोट के कम से कम तीन सप्ताह की अवधि का समय लगता है।

महिला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट : पाकिस्तान के खिलाफ आज जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

WOMEN'S ASIA CUP 2024

दाम्बुला ।

भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीमें यहां एशिय कप क्रिकेट टूर्नामेंट में मुकाबला करेंगी। इसमें गत विजेता भारतीय महिला जीत से शुरुआत करना चाहेंगी। इसमें भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है क्योंकि हाल में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई सीरीज से लक्ष्य हासिल कर ली है।

भारतीय टीम की स्मृति मंधाना के अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित सभी खिलाड़ी अच्छी लय में हैं। ये टूर्नामेंट इसलिए भी अहम है कयोंकि इसे अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिये अहम माना जा रहा है। आंकड़ों पर नजर डालें ओ हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने एशिया कप में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने चार में से तीन टी20 खिताब के साथ ही चारों बार एकदिवसीय ओवरों के प्रारूप को भी जीता है। महिला एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में भारत ने आज तक 20 में से 17 मैच जीते हैं। उसने 2022 में हुए फाइनल में बांग्लादेश को हराया था। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम ने अब तक इस टूर्नामेंट में 14 मैचों में 11 मुकाबले जीते हैं। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य अपनी जीत के सिलसिले को बनाये रखना है। इस माह की शुरूआत में भारत का तीन मैचों की टी20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा।

वहीं दूसरी ओर पाक टीम को कुछ समय पहले ही इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका मनोबल गिरा हुआ है और टीम जब एशिया कप में उतरेगी उसपर जीत का भारी दबावा रहेगा। टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी लय में नहीं है। ऐसे में उसके लिए इस मुकाबले में काफी कम संभावनाएं हैं। भारत के पास जहां बल्लेबाजी में मंघाना और हरमनप्रीत जैसी खिलाड़ी हैं। वहीं तेज गेंदबाज के तौर पर पूजा वस्त्राकर हैं। पूजा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों में आठ विकेट लिए जबकि स्पिनर राधा यादव ने भी विरोधी टीम पर अंकुश लगा दिया था। ऐसे में पूजा और राधा का सामना करना पाक बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। भारतीय टीम के पास राधा के अलावा स्पिनरों में दीप्ति शर्मा, सजीवन साजना और श्रेयांका पाटिल जैसी खिलाड़ी हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम निदा दर की कप्तानी में उतरेगी। टीम में इसके अलावा भी काफी बदलाव हुए हैं। ईरम जावेद, ओमैमा सोहेल और सैयदा आरूब शाह को पहली बार टीम में शामिल किया गया है जबकि तस्मिया रूबाब को पहली बार टीम में जगह मिली है। कुल मिलाकर देखा जाये तो भारतीय टीम का पलड़ा इस मैच में भारी रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, अरूंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, डी हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयांका पाटिल, संजीवन साजना।

पाकिस्तान : निदा दार (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, फातिमा सना, गुल फिरोजा, ईरम जावेद, मुनीबा अली, नजीहा अल्वी, नाशरा संधू, ओमैमा सोहेल, सादिया इकबाल, सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह, तस्मिया रूबाब, तूबा हसन।

मां की सकारात्मक सोच से बेहतर प्रदर्शन करना चाहती हैं याराजी, संघर्षों को खत्म करने की कोशिश

नई दिल्ली ।

याराजी का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड का है और वह मानती हैं कि ओलंपिक पदार्पण में उन पर काफी दबाव होगा लेकिन वह ध्यान लगाकर शांत बने रहने की कोशिश कर रही हैं। भारतीय एथलीट ज्योति याराजी पेरिस ओलंपिक में अपना दम दिखाने के लिए तैयार हैं। 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस खेलों में ज्योति 100 मीटर बाधा दौड़ में हिस्सा लेंगी और ऐसा करने वाली देश की पहली खिलाड़ी बन जाएंगी। ज्योति ने कहा कि वह इन खेलों में अपनी मां की सकारात्मक सोच से प्रेरित होकर शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगी। ज्योति की मां विशाखापत्तनम में एक स्थानीय अस्पताल में सफाईकर्मी और घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती हैं।

अच्छे प्रदर्शन के लिए मां ने किया प्रेरित

विश्व रैंकिंग कोटे से ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाली याराजी की कोशिश अपनी मां कुमारी के अभी तक के सारे संघर्षों को खत्म करने की होगी। याराजी ने कहा, पहले मैं अपनी व्यक्तिगत जिंदगी, अपने परिवार और पृष्ठभूमि को लेकर बहुत ज्यादा चिंतित रहती थी, लेकिन मैंने काफी कुछ सीखा है। कभी कभार मेरी हालत बहुत खराब होती। मेरी मां हमेशा मुझे कहती कि आगे बढ़ते रहो क्योंकि हम वर्तमान, अतीत और भविष्य को नहीं रोक सकते। मेरी मां ने मुझे कहा कि तुम अपने लिए काम करो, कोई भी नतीजा रहे, हम इसे स्वीकार करेंगे। मेरी मां प्रतियोगिता से पहले मुझे कभी नहीं कहतीं कि पदक जीतो या फिर स्वर्ण पदक जीतो। वह मुझसे कहतीं कि जाओ स्वस्थ रहो और जो भी मैं करूं उसमें संतुष्ट रहूं। इसलिए मैं हमेशा सकारात्मक सोच से आगे बढ़ती हूं। याराजी ने अपने कोच जेम्स हिलियर का जिक्र करते हुए कहा, पहले मेरे पास अच्छी टीम नहीं थी। अब मेरे साथ बहुत सारे सकारात्मक लोग हैं। इससे मुझे काफी मदद मिल रही है। मैं हमेशा सकारात्मक रहती हूं। मैं सकारात्मक सोच से नकारात्मकता को दूर करती हूं। याराजी पर रहेगी ओलंपिक पदार्पण का दबाव याराजी का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड का है और वह मानती हैं कि ओलंपिक पदार्पण में उन पर काफी दबाव होगा लेकिन वह ध्यान लगाकर शांत बने रहने की कोशिश कर रही हैं।

कपिल देव ने दी ओलंपिक के लिए जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बधाई, कहा- खुद को अभिव्यक्त करें..

नई दिल्ली ।

पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने पेरिस में ओलंपिक के लिए जाने वाले भारतीय एथलीटों को 26 जुलाई से शुरू हो रहे इस महाकुंभ में निडर होकर अपना प्रदर्शन करने की सलाह दी और उम्मीद जताई कि देश पदक तालिका में दोहरे अंक तक पहुंचेगा। 26 जुलाई से शुरू हो रहे आगामी टूर्नामेंट के लिए भारत ने 117 एथलीटों का दल भेजा है। देश को इनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

भारतीय खिलाड़ियों को कपिल देव ने दी खास सलाह

कपिल देव ने ट्रिनिटी गोल्फ चैम्पियंस लीग (टीजीसीएल) के दूसरे संस्करण के उद्घाटन समारोह में कहा, मैं वास्तव में किसी के लिए कुछ नहीं कह सकता, लेकिन मैं उन्हें शुभकामनाएं दे सकता हूं और उम्मीद करता हूं कि हम इस साल अधिक पदक जीतेंगे और यह महत्वपूर्ण है।

सभी (भारतीय एथलीटों) को मेरी सलाह यही होगी कि वे आगे आएं और अपने आपको साबित करें। मैं उम्मीद करता हूं कि अगर हमें विश्वास है कि यह (दोहरे अंक में पदक जीतना) होगा तो ऐसा क्यों नहीं होगा।

गंभीर पर क्या बोले कपिल देव

इस दौरान पूर्व क्रिकेटर ने भारतीय क्रिकेट टीम के नए मुख्य कोच को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, अगर गौतम गंभीर वह पद (भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद) संभाल रहे हैं, तो मैं उन्हें और टीम को शुभकामनाएं देता हूं।

मुझे उम्मीद है कि वे पहले से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। मैं भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं।

एंडरसन को संन्यास के तुरंत बाद मिली नई जिम्मेदारी इंग्लिश गेंदबाजों के भविष्य संवारने का मिला मौका

नई दिल्ली।

इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। संन्यास के तुरंत बाद जेम्स एंडरसन को नई जिम्मेदारी मिल गई है। कैरेबियाई टीम के खिलाफ शेष दो टेस्ट मैचों में जेम्स एंडरसन बतौर गेंदबाजी मेंटर इंग्लिश टीम से जुड़े हैं। पता हो कि इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट नॉटिंघम में शुरू होगा। 41 साल के जेम्स एंडरसन अपने टेस्ट करियर का अंत जीत के साथ किया। एंडरसन ने 188 टेस्ट मैचों में 704 विकेट चटकाए। वह दुनिया में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले तीसरे खिलाड़ी बने। एंडरसन से ज्यादा दिवंगत शेन वॉर्न (708) और मुथैया मुरलीधरन (800) ने विकेट लिए हैं। कड़ी टक्कर की उम्मीद इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को एक पारी और 114 रन से मात दी। इस तरह मेजबान टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। इंग्लैंड की कोशिश शुरू हो रहे नॉटिंघम टेस्ट को जीतकर सीरीज अपने नाम करने की होगी। वहीं, वेस्टइंडीज की कोशिश सीरीज में बराबरी करने की होगी। हालांकि, कैरेबियाई टीम के लिए इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना आसान नहीं होगा क्योंकि मेजबान टीम के गेंदबाजों को जेम्स एंडरसन की सेवाएं मिलेंगी। इंग्लैंड की प्लेइंग 11 बता दें कि इंग्लैंड ने ही दूसरे टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी। इंग्लैंड ने सीरीज जीतने के लिए केवल जेम्स एंडरसन के विकल्प को चुना है और शेष खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। मेजबान टीम ने जेम्स एंडरसन की जगह तेज गेंदबाज मार्क वुड को शामिल किया है। वुड को मैथ्यू पॉट्स और ढिल्लन पेनिंगटन पर तरजीह दी गई। बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ, क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, मार्क वुड और शोएब बशीर।

सुविधा देने का प्रयास कर रहे हैं..., आलोचना होने पर छलका आईओए अध्यक्ष पीटी उषा का दर्द

नई दिल्ली ।

पेरिस ओलंपिक का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और 26 जुलाई से भारतीय एथलीट पदक के लिए चुनौती पेश करने उतरेंगे। इस बीच, ओलंपिक में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों को उनकी पसंद का सहयोगी स्टाफ मुहैया कराने के लिए पूरी कोशिश की गई और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि इसके लिए खेल मंत्रालय, आईओए और राष्ट्रीय महासंघों ने अच्छा काम किया है। हालांकि, पीटी उषा ने शानदार तालमेल पर गौर करने के लिए आलोचना करने वालों को लताड़ भी लगाई। खेल मंत्रालय ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए 117 खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को मंजूरी दी है। इनमें निजी कोच, मानसिक ट्रेनर और फिजियोथैरेपिस्ट भी शामिल हैं। आईओए विशेष रूप से प्रसिद्ध खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला के नेतृत्व में गठित 13 सदस्यीय खेल विज्ञान टीम भी दल के साथ भेज रहा है।

आलोचकों पर भड़कीं पीटी उषा – उषा ने कहा, आईओए में हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं, जहां खिलाड़ी हमारी योजना और तैयारियों के केंद्र में हैं। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के बीच सामान्य 3: 1 अनुपात के बजाय हमने इसे 1: 1 अनुपात से थोड़ा बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत की है। खिलाड़ियों की हर मांग पूरी करने के प्रयासों के बावजूद कुछ रिपोर्टों में काम की नकारात्मक तस्वीर पेश करना निराशाजनक है। खेल मंत्रालय और इसकी इकाइयों, राष्ट्रीय खेल महासंघों और कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ मिलकर आईओए ने शानदार टीमवर्क से काम किया है। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ लोगों ने इस तरह के तालमेल को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है।

सहायक स्टाफ के वीजा का इंतजार कर रही हैं अंतिम – ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाले छह पहलवानों में से एक अंतिम पंघाल कथित तौर पर अपने चार सदस्यीय सहायक स्टाफ के लिए वीजा का इंतजार कर रही हैं, जिससे उनके अभ्यास में बाधा पड़ रही है। उषा ने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगी कि खिलाड़ियों के गैर मान्यता प्राप्त सहयोगी स्टाफ के लिए वीजा में और देरी न हो और वह भारत में फ्रांस के दूतावास के साथ अंतिम के कोच भगत सिंह, फिजियोथेरेपिस्ट हीरा और स्पारिंग पार्टनर विकास का मुद्दा उठाएंगी। उषा ने इसके लिए अब भंग कर दी गई तदर्थ समिति को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, कुश्ती का संचालन करने वाली (आईओए द्वारा नियुक्त) तदर्थ समिति ने ओलंपिक खेल आयोजन समिति को भेजे गए नामों की लंबी सूची में अंतिम के कोच या फिजियोथेरेपिस्ट का नाम शामिल नहीं करने का फैसला किया।

एशियाई पैरालंपिक समिति का बड़ा फैसला दीपा मलिक को दक्षिण एशिया के लिए नियुक्त किया प्रतिनिधि

नई दिल्ली । भारत की पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता दीपा मलिक को एशियाई पैरालंपिक समिति (एपीसी) ने दक्षिण एशिया के लिए उप क्षेत्रीय प्रतिनिधि नियुक्त किया है। एपीसी की 34वीं कार्यकारी बोर्ड बैठक के दौरान यह फैसला लिया गया। दीपा तुरंत पद की जिम्मेदारी संभालेंगी। भारत की पूर्व पैरालंपिक समिति प्रमुख की नियुक्ति से कार्यकारी बोर्ड में महिला प्रतिनिधियों की संख्या पांच हो गई है जो एपीसी के इतिहास में बोर्ड में महिलाओं का सबसे अधिक प्रतिनिधित्व है। अध्यक्ष का बयान एपीसी के अध्यक्ष माजिद रशीद ने कहा, हमारे कार्यकारी बोर्ड की बैठकों में महिलाओं की संख्या में इजाफा होना सकारात्मक कदम है, विशेषकर जब डॉक्टर दीपा मलिक के अनुभव, कौशल और जानकारी रखने वाली कोई महिला इसमें शामिल हो। दीपा मलिक ने जताई खुशी दीपा की भूमिका में दक्षिण एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व करना और इस क्षेत्र में पैरा खेलों के विकास और इन्हें प्रोमोट करने के लिए प्रयास करने होंगे। दीपा ने कहा, दक्षिण एशिया का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है और मेरे लिए शानदार मौका है।

मां-बाप का गाना सुन कोमा से जागी 4 साल की बच्ची

ब्रिटेन में एक चार साल की बच्ची ने अपने माता पिता का गाना सुनकर मौत को भी मात दे दी और कोमा से बाहर आ गई। इस बच्ची का नाम है मिली मोरन। मिली मोरन को कई बीमारियों ने जन्म से ही घेर रखा है। मिली जब पैदा हुई थी तब से ही उसकी रीढ की हड्डी के बीच आठ सेंटीमीटर का गैप था। इसके साथ ही उसके पैंक्रियाज क्षतिग्रस्त थे। इसके अलावा भी उसको कई समस्याएं थी। मिली मोरन के अब तक 27 आपव्रेशन हो चुके हैं। मिली मोरन को 22 दिसंबर 2014 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उसके चेस्ट इंफेक्शन था। क्रिसमस के दिन उसके लंग्स ने भी काम करना बंद कर दिया था जिससे वह कोमा में चली गई। चिकित्सकों ने हार मान ली लेकिन उसके माता पिता ने हार नहीं मानी। मोरन की मां एम्मा जेनी और पिता माइकल मोरेन पे मशीन के माइक्रोफोन पर डिज्नी का म्यूजिकल सॉन्ग गाया। वे फोजन सॉन्ग गाते रहे क्योंकि बच्ची को यह गाना बहुत पसंद था। यह गाना सुनकर मिली कोमा से बाहर आ गई।

त्वचा के लिए फायदेमंद है कोकोआ बटर

कोकोआ बटर को हम सभी सौंदर्य में निखार पाने के लिए अपनाते है। इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, जिंक, आयरन पाया जाता है। साथ ही ये हमारे स्वास्थ्य लाभ के लिए भी फायदेमंद है। कोकोआ बटर को कोको बीन्स से प्राप्त किया जाता है। इसका रंग पीला होता है और इसे थियाब्रोमा तेल के नाम ले जाना जाता है। इससे त्वचा सम्बंधी समस्याएं जैसे कि परतदार और फटी त्वचा की मरम्मत की जाती है।

हाथ ऊपर ले जाने पर हो दर्द तो हो सकता है रोटेटर कफ

कंधे से जुड़ी रोटेटर कफ की परेशानी ज्यादातर टेनिस, फुटबॉल प्लेयर, स्वीमर और पहलवानों को हो सकती है। गंभीर डायबिटीज के मरीजों में भी इसके मामले देखे जाते हैं। रोटेटर कफ कंधों के जॉइंट्स को हाथ से जोड़ने वाली चार मांसपेशियों (सुपरास्पिनेटस, इंफ्रास्पिनेटस, टेरेस माइनर और सब्सकैपुलरिस) के क्षतिग्रस्त होने पर होती है। जानें कारण व इलाज-

कारण- खेल के दौरान गोल करते हुए जोड़ों में खिंचाव, कंधे के बल गिरना, हाथ का गलत दिशा में मुड़ना, अधिक वजन उठाते समय कंधे पर दबाव मुख्य कारण हैं। इस दौरान अचानक खिंचाव से कंधे की मांसपेशियां क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। ऐसे व्यवसाय जिनमें कंधे के जोड़ों का अधिक प्रयोग हो जैसे पेंटर को भी यह समस्या होती है। डायबिटिज के मरीजों में अक्सर मांसपेशियों में सूजन या दर्द की समस्या रहती है। जिससे इनकी मसल्स में हल्का खिंचाव भी परेशानी को बढ़ाता है।

लक्षण- हाथ को ऊपर या पीछे लाने पर तेज दर्द, सूजन, सोते समय करवट लेने पर दर्द मुख्य लक्षण हैं। दिनचर्या से जुड़े काम जिसमें कंधे के जोड़ों का मूवमेंट जरूरी है, करते समय दर्द होना।

इलाज- पेन मैनेजमेंट दर्द व सूजन कम करने के लिए एंटीबायोटिक दवाएं या स्टेरॉयड इंजेक्शन देते हैं। यदि प्लेयर के पास इलाज के लिए 30 दिन से कम का समय है तो स्टेरॉयड इंजेक्शन के बजाय पेनकिलर देते हैं। ऐसे में इस इंजेक्शन से खिलाड़ी का डोपिंग टैस्ट पॉजिटिव आ सकता है।

सावधानी- कंधे से व्यायाम करते रहें खिलाड़ी या कंधे के जोड़ों का अधिक प्रयोग करने वाले लगातार काम न करें। कोशिश करें कि हर दो घंटे में 10-15 मिनट का ब्रेक लें। कंधे से जुड़े व्यायाम रेगुलर करें। स्ट्रैचिंग एक्सरसाइज इस इंजरी में फायदेमंद है। अचानक दर्द होने पर कपड़े में बर्फ रखकर प्रभावित हिस्से की 10-15 मिनट तक सिंकाई करें।

सर्जरी- एंथ्रोस्कोपी कंधे के जोड़ों में पांच माह से लगातार दर्द हो तो क्षतिग्रस्त मसल्स व दर्द की स्थिति के अनुसार एंथ्रोस्कोपी करते हैं। जिसमें मसल्स के प्रभावित हिस्से को रिपेयर करते हैं। इसके बाद करीब 20-22 दिन मरीज को देखरेख में रखकर कुछ व्यायाम कराते हैं व दवाएं देते हैं।

टैस्ट- ज्यादातर मामलों का फिजिकल चेकअप कर लक्षणों के आधार पर इलाज करते हैं। इसके अलावा मस्क्युलर स्केलेटल अल्ट्रासाउंड और एमआरआई से क्षतिग्रस्त मांसपेशी का पता लगाते हैं।

एक्सरसाइज- दर्द कम होने के बाद मसल्स स्ट्रेचिंग व स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज कराते हैं। इंजरी से जो मांसपेशी जुड़ी हैं उसके अनुसार व्यायाम कराते हैं। इससे क्षतिग्रस्त मांसपेशी रिपेयर होती है।

कानों के लिए खतरा बन सकती है ईयर कैंडलिंग

कान की सफाई जरूरी होती है लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी ये बात है कि आप कैसे उसको साफ करते है। अक्सर घरों में सलाई में रूई लगाकर या हेयर पिन से कान साफ करते रहे है। ये ठीक नहीं है। इससेस कानों को नुकसान पंहुचता है। आजकल आज कल सैलून और ब्यूटी पार्लर मे ईयर कैंडलिंग का काफी चलन में है। इसका प्रयोग कान का मैल निकलाने के लिए किया जाता रहा है। प्राचीन ईजिप्ट में ईयर कैंडलिंग की प्रक्रिया बहुत पापुलर रही है। हालांकि इसे भी सुरक्षित नहीं माना जाता है।

क्या होती है ईयर कैंडलिंग

कानों की मैल को दूर करने के लिए ईयर कैंडलिंग का तरीका लंबे समय से अपनाया जा रहा है। इस नुस्खे के तहत टिशु से कान को कवर करके मोमबत्ती जलाई जाती है। इसमें मोमबत्ती का एक कोना कान के भीतर होता है और दूसरे पर चिंगारी रहती है। इसमें नीचे की तरफ भाप आती है जो सीधे कान में जाती है। जिससे कान का मैल गर्म होकर पिघल जाता है। यह उपाय वे लोग अकसर अपनाते हैं जिनके कान में खुजली या जलन रहती है।

ये होते हैं नुकसान

मोमबती के सिरे पर लगी आग की वजह से यह प्रक्रिया काफी खतरनाक साबित हो सकती है। कान में मोमबत्ती जलाकर मोम डालने से भी मैल नहीं निकलेगी। इससे कान जाम हो सकते हैं या फिर संक्रमण का खतरा रहता है। एफडीए इस मामले में चेतावनी देती है कि ऐसा करने से न केवल कान की नली बंद हो सकती है वरन कान का पर्दा भी फट सकता है। इससे त्वचा के अनय अंगों के जल जाने का खतरा भी रहता है। अगर कान की मैल को हटाना चाहते हैं तो गर्म पानी से ऊपर-ऊपर साफ करें और अपने कानों को शॉवर में कभी कभी रखें। इस तरीके से कान में जमा कड़ी से कड़ी मैल को गर्म किया जा सकता है और उसे ढीला बनाया जा सकता है। कान की मैल साफ करने की कोशिश अच्छी होने की बजाय बुरी साबित होती है। अगर मैल को निकालने के दौरान कान की नली में और गहरे धकेल दिया जाता है तो यह नुकसानदेह होती है।

स्टेम सेल जैल से जुड़ेंगी टूटी हड्डियां

स्टेम सेल तकनीक दुर्घटनावश अगर किसी की हड्डी टूट जाए, तो उसे जुड़ने में न सिर्फ काफी वक्त लगता है, बल्कि वह पहले जितनी मजबूत भी नहीं हो पाती हैं। लेकिन अमेरिका के वैज्ञानिकों ने हड्डी में आयी दरार को भरने के लिए नया तरीका खोज निकाला है। वैज्ञानिकों ने स्टेम सेल से लैस एक ऐसा जैल बनाया है, जो हड्डी में आई दरार को भरने में सक्षम होगा।

वैज्ञानिकों के मुताबिक जैल में मौजूद स्टेम कोशिकाओं की सतह पर बेहद सूक्ष्म चुंबकीय कण जोड़े गए हैं। इंजेक्शन के जरिए जब इस जैल को हड्डी में पहुंचाया जाता है। इसके बाद उसके ऊपर चुंबकीय गुणों से लैस पट्टी बांध दी जाती है। पट्टी के बांधने के साथ ही चुंबकीय कण सक्रिय हो जाते हैं। और हड्डियों में आई दरार को भरने में स्टेम सेल मदद करते हैं। यह परिस्थिति बहुत हद तक वैसी ही होती है, जैसी बच्चों में कार्टिलेज और हड्डियों के विकास के दौरान देखी जाती है। शोधकर्ताओं ने परीक्षण के स्तर पर इस जैल के खरा उतरने का दावा किया है। उनकी मानें तो इसकी मदद से चूहे और मुर्गियों की टूटी हड्डियों को जोड़ने में सफलता हाथ लगी है। अब हम साल के अंत तक इनसानी हड्डियों पर इसका असर आंकने की तैयारी कर रहे हैं। हज के अनुसार हड्डियों को जोड़ने के लिए जब प्लास्टर चढ़ाया जाता है तो शरीर में सबसे पहले एक कार्टिलेज बनता है। यह एक ढांचे की तरह काम करता है, जिसके इर्दगिर्द हड्डी विकसित होती है। व्यक्ति जितना व्यायाम करेगा हड्डी उतनी ही मजबूत बनेगी। हालांकि आमतौर पर ऐसा नहीं हो पाता। हड्डी टूटने पर मरीज को असहयनीय दर्द होता है। हमने इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए स्टेम सेल से भरपूर जैल बनाया है। इसका इंजेक्शन लगाने पर मरीज को बिस्तर से उठने की जरूरत तक नहीं पड़ेगी और उसकी टूटी हड्डी न सिर्फ जुड़ेगी, बल्कि उसका घनत्व भी अधिक होगा।

सेहत पर कैसे भारी पड़ सकता है पापड़ खाना

हम अक्सर होली पर अपने घरों की छतों पर आलू या साबूदाने के पापड़ सुखाया करते थे। पर जब से बाजार में पापड़ मिलने शुरु हो गए हैं, हमने अब घर पर पापड़ बनाना बंद कर दिए हैं।

आज कल आपको बाजार में तरह तरह के स्वाद और रंग वाले पापड़ और चिप्स बिकते हुए दिख जाएंगे। अक्सर लोग अपने भोजन के साथ साथ एक रोस्टेड पापड़ या फिर फ्राई किया हुआ पापड़ खाना पसंद करते हैं, जो सेहत के लिए काफी हानिकारक हो सकता है।

यहां तक कि कॉकटेल स्नैक के तौर पर भी मसालेदार पापड़ ही सर्व किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये पापड़ हमारी सेहत के लिए कितने खराब हैं, आइए जानते हैं...

पापड़ बढ़ा सकता है मोटापा

दो पापड़ एक रोटी के समान होता है। अगर आप कैलारी नहीं बढ़ाना चाहते हैं तो पापड़ खाने की गलती कभी ना करें। 13 ग्राम पापड़ में 35-40 कैलोरी, सोडियम- 226 एमजी और कार्बोहाइड्रेट 7.8 ग्राम पाया जाता है।

प्रीज़र्वेटिव का होता है प्रयोग

पापड़ को लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए पापड़ बनाने वाली फैक्टीरियां उसमें प्रीज़र्वेटिव आदि मिलाती हैं। साथ ही इसमें नमक के साथ साजी नामक सोडियम साल्ट मिलाया जाता है, जिससे इसका स्वाद तो बढ़ता है। यह साल्ट हार्ट और किडनी की बीमारी के साथ हाई बीपी भी पैदा कर सकता है।

एसिडिटी की समस्या

दुकान से खरीदे हुए पापड़ों में अक्सर आर्टिफीशियल फ्लेवर और मसाले मिलाए जाते हैं जो कि पेट के लिये खराब तो होते ही हैं साथ में ज्यादा खाने पर एसिडिटी भी हो जाती है।

फ्राई किए पापड़ और भी घातक

फ्राई किए पापड़ों में तेल और फैट दोनों ही हाई होते हैं। रिसर्च के अनुसार पाया गया है कि फ्राई और आग पर भुने हुए पापड़ में एक्रिलामाइड जो एक टॉक्सिन है, उसकी मात्रा बढ़ जाती है, इसे कार्सीनोजिन भी कहते। इससे आपको बेचैनी, घबराहट और मूड सविंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मगर माइक्रोवेव में पकाए पापड़ आपकी सेहत को कभी नुकसान नहीं पहुंचा सकते।

पापड़ बनाने की प्रक्रिया

पापड़ बनाई जाने वाली फैक्ट्रियां कभी साफ नहीं होती। इन्हें हाथों से बनाया जाता है और फिर इन्हें सुखाने के लिए धूप में खुले स्थान पर रखा जाता है, जहां इनमें धूल मिट्टी पड़ती रहती है।

जूतों की शॉपिंग ऐसी हो कि आपको देखकर सब हो जाएं हैरान

फुटवियर्स से आउटफिट बनाएं ग्लैमरस

महिलाओं की पसंदीदा एक्सेसरीज में से एक हैं उनके फुटवियर्स। ड्रेस चाहे कितनी भी खूबसूरत क्यों न हो, सही फुटवियर के बिना अधूरी रह जाती है। अब इसका यह मतलब भी नहीं है कि आप ढेरों जूते खरीद कर घर ले आएं। हम आपको जूतों की शॉपिंग के लिए ऐसे टिप्स देंगे कि आपकी वार्डरोब देखकर आपकी सहेलियां भी आपसे ईर्ष्या करने लगें। ये वो पेयर्स हैं जो आपकी हर आउटफिट की अपीयरेंस और भी ग्लैमरस बना देंगे।

ईवनिंग पार्टी के लिए क्लासी ब्लैक

ईवनिंग पार्टी और आम मौकों पर पहनने के लिए हर लड़की के पास क्लासी ब्लैक पम्प्स का एक पेयर जरूर होना चाहिए। इसे आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। दोस्तों के साथ आउटिंग पर जा रही हैं, तो भी ये फुटवियर बढ़िया च्वाइस रहेगी। ये शूज फॉर्मल हैं, लेकिन ईवनिंग वियर के साथ बेहतरीन लुक देंगे। हल्की हील वाले ये शूज़ काफी आरामदायक होते हैं और पैरों को आराम भी देते हैं। इन्हें पहन कर चलना आसान रहता है। आजकल ट्रैंडी फुटवियर में कोल्हापुरी चप्पलें और मोजरी का फैशन इन है।

बैली निखारेगी पर्सनैलिटी, पैरों के लिए आरामदायक

अगर आप फुटवियर्स के मामले में ज्यादा झमेले में नहीं पड़ना चाहतीं और बहुत सिंपल शूज़ चाहती हैं लेकिन साथ ही एलिगेंट लुक भी चाहती हैं तो बैली आपकी सभी अज़माइशों पर खरी उतरती है। ये आपकी पर्सनैलिटी को भी निखारेगी। आप इन्हें सारा दिन पहन सकती हैं, इसके बावजूद आपके पैरों में दर्द नहीं होगा क्योंकि ये बेहद आरामदेय होती हैं। आप इन्हें फॉर्मल आउटफिट के साथ पहन सकती हैं और अगर चाहें तो फ्रॉक के साथ भी कैरी कर सकती हैं।

स्ट्रैपी सैंडल्स से मिलेगा बोल्ड लुक

अगर आप सोशल हैं तो बहुत सारे विशेष अवसरों पर आपको जाना पड़ता है, ऐसे में आप अपना फैशन दिखा सकती हैं। फंक्शंस में थोड़ी-सी एक्स्ट्रा ब्लिंग की जरूरत होती है। ग्लैम लुक के लिए गोल्ड या सिल्वर में स्ट्रैपी सैंडल्स ट्राई करें। इस पर बड़े बोल्ड स्टोंस लगे हो सकते हैं। मोती भी इनकी चमक को और बढ़ाएंगे और आपको सैक्सी व बोल्ड लुक देंगे। अगर आपको एथनिक वियर्स ज्यादा पसंद हैं या जींस और स्कर्ट पहनना आपको ज्यादा भाता है तो बेसिक कलर्स जैसे बेज, ब्लैक या कैमल ट्राई करने चाहिए। ये भारतीय परिधानों और लॉन्ग स्कर्ट्स के साथ सुंदर दिखते हैं। न्यूट्रल कलर्स से आप अधिकतर आउटफिट्स के साथ पेयर कर सकती हैं।

...तो अब ब्लड शुगर को कर सकेंगे नियंत्रित

हम में से अधिकांश खाना पकाने में रिफाइंड अनाज का प्रयोग करते हैं। यह ऐसा अनाज है जिसकी बाहरी परत नहीं होती। इस बाहरी परत को व्हीट ब्रान कहते हैं। इसमें विटामिन बी-1, बी-2, बी-3, विटामिन-ई, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, फासफोरस, जिंक, कॉपर तथा फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके बिना हमारा अनाज उतना स्वस्थ नहीं होता जितना कि यह हो सकता है। यदि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर हैं तो आपको साबुत अनाज के बारे में सोचना होगा। आइए जानते हैं इसके स्वास्थ्य लाभों के बारे में।

लिवर को बनाता है स्वस्थ

एक स्वस्थ लिवर के लिए एक ऐसे पेट की जरूरत होती है, जिसमें भोजन आसानी से इधर-उधर आ-जा सके और जो विषैले तत्वों के निर्मित होने से रहित हो। साबुत अनाज का ब्रान वाला हिस्सा इस बात को यकीनी बनाता है कि इन विषैले तत्वों को प्रभावी ढंग से साफ किया जाए।

अधिक पोषक...

चूंकि व्हीट ब्रान साबुत अनाज में से हटाया नहीं जाता और सभी पोषक तत्व इसमें मौजूद रहते हैं इसलिए खिलाड़ियों, बढ़ रहे बच्चों, मां बनने वाली महिलाओं तथा स्वस्थ भोजन की इच्छा रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसकी सलाह दी जाती है। साबुत अनाज का ग्लाइसैमिक इंडेक्स सफेद आटे के मुकाबले ब्लड शूगर को बेहतर तरीके से नियंत्रित करता है। व्हीट ब्रान भोजन को ब्लड शूगर में धीरे-धीरे परिवर्तित करता है और इसे शरीर के प्राकृतिक इंसुलिन हार्मोन मैकेनिज्म के लिए आसानी से मैनेज करता है।

कैंसर का खतरा कम

साबुत अनाज का आटा फाइबर का बहुत बढ़िया स्रोत है जो हमारी आंतों की गतिविधियों को नियंत्रित करता है। भोजन में फाइबर वाला हिस्सा अधिक होना चाहिए ताकि यह पानी अधिक सोख सके। आंतों के प्रो-बायोटिक बैक्टीरिया को पेट के अल्केलाइन बैलेंस को नियंत्रित करने के लिए फाइबर की जरूरत होती है। जब फाइबर पेट में प्रविष्ट होता है तो फ्रेंडली बैक्टीरिया इसे इसके स्वास्थ्यवर्धक तत्व रिलीज करने के लिए तोड़ देता है।

रेसिपी

पालक कॉर्न सब्जी

सामग्री

3/4 कप पालक की प्युरी, 1/2 कप हल्की उबाली और कटी हुई पालक, 1 कप उबले हुए मीठी मकई के दाने, 1/2 टेबल-स्पून घी, 1/2 टी-स्पून जीरा, 2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसून, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, नमक , स्वाद अनुसार, 2 टेबल-स्पून ताजा क्रीम, 1/4 टी-स्पून गरम मसाला, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर

विधि

एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में घी गरम करिए और उसमे जीरा डालिए। जब जीरा चटखने लगे, तब उसमे लहसून, लाल मिर्च का पाउडर और अदरक डालिए और मध्यम आंच पर 1 मिनट भूनिए। उसमे पालक की प्युरी, पालक, कॉर्न, नमक, 1/4 कप पानी, ताजी क्रीम, गरम मसाला और लाल मिर्च का पाउडर डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट बीच-बीच में हिलाते हुए, पकाइए। गरमा गरम परोसिए।

लज़ानीया

सामग्री

रोस्टड वेजिटेबल्स् के लिए: 1/2 कप लाल शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप हरी शिमला मिर्च के टुकड़े, 1/2 कप बीज निकाले हुए टमाटर के टुकड़े, 1 स्पून जैतून का तेल, 2 स्पून लहसुन का पेस्ट, 1 स्पून सूखा ऑरेगानो, नमक स्वादअनुसार, **अन्य सामग्री:** 1 1/2 कप व्हाईट सॉस, 1 कप पिज़्ज़ा सॉस, 4 हुए लजानीया शीट, 1/4 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज

विधि

रोस्टड वेजिटेबल्स् के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकन्ड तक भूनें। लाल और हरी शिमला मिर्च के टुकड़े और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, धीमी आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए पका लें। टमाटर, ऑरेगानो, लाल मिर्च के फ्लैक्स् और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रखें। **आगे बढ़ने की विधी:** रोस्टड वेजिटेबल्स् और व्हाईट सॉस को एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 1 मिनट के लिए पका लें। एक तरफ रख दें। बेकिंग डिश के बेस पर 1/2 कप पिज़्ज़ा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और सॉस के उपर समान अंतर पर 2 लज़ानीया शीट रखें। व्हाईट सॉस-रोस्टड वेजिटेबल्स् के मिश्रण को डालकर फैला लें और इसके उपर 1/4 कप पिज़्ज़ा सॉस फैलाकर उपर और 2 लज़ानीया शीट्स रखें। बचा हुआ 1/4 कप पिज़्ज़ा सॉस डालकर अच्छी तरह फैला लें और ऊपर अच्छी तरह से चीज़ छिड़के। पहले से गरम अवन में लज़ानीया को 200°c (400°f) के तापमान पर 8 मिनट के लिए बेक करें या माईक्रोवेव में उच्च पर 2 मिनट के लिए पका लें। गार्लिक ब्रेड के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**